हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 51, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 19 अगस्त, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

'राम-कृष्ण, शंकराचार्य और विवेकानंद... ये सब भी युवा थे'

अध्यात्म दर्शन, शिक्षा, साहित्य और कला की भूमि के रूप में जानी जाती रही है वाराणसी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब मैं युवा साथियों के बारे में सोचता हूं, कहीं से लगता है कि युवाओं की प्रतिभा पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास किया जाता है तो मुझे इस बात का दुख होता है कि कौन सा ऐसा कालखंड नहीं था, जब युवाओं ने अपनी प्रतिभा व ऊर्जा से समाज को नई दिशा न दी हो। प्राचीन काल से भारत की व्यवस्था को देखें तो युवाओं ने अपने समय में अनेक कार्य किए। युवा शक्ति के रूप में मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम भी याद आते हैं, उन्होंने संकल्प लिया था 'निसचर हीन करऊं महि, भुज उठाई पन कीन्ह'... जब भारत की धरती से उन्होंने राक्षसी प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त करने का आह्वान किया था, तब राम युवा ही थे। मथुरा को कंस व राक्षसों के अत्याचार से मुक्त करने वाले 'परित्राणाय साधुनाम्, विनाशाय च दुष्कृताम्' का आह्वान करने वाले श्रीकृष्ण भी युवा ही थे। दुनिया को निर्माण का संदेश देने वाले महात्मा बुद्ध, ज्ञान प्राप्त करने के बाद पहला उपदेश इसी सारनाथ में देते हैं, तब वे भी युवा ही थे। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वाराणसी में कहीं। वे रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, सिगरा में जी-20 के तहत आयोजित यूथ-20 समिट के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री व वाराणसी के सांसद व नरेंद्र मोदी का आभारी हूं, जिन्होंने जी-20 समिट से जुड़े कई समिट के आयोजन का अवसर यूपी को दिया। इसमें वाई-20 का मुख्य समिट वाराणसी में आयोजित हो रहा है। सीएम ने उम्मीद जताई कि वाई-20 का यह समिट दुनिया भर के युवाओं के लिए नई प्रेरणा का संदेश देकर जाएगा। सीएम ने कहा कि भारत के अंदर चार कोनों में चार पीठों की स्थापना करने वाले व भारत की सांस्कृतिक एकता को मजबूती प्रदान करने वाले आदि शंकर मात्र 32 वर्ष तक ही जीवित रहे। स्वामी विवेकानंद ने भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का कार्य किया। उन्होंने महज 39 वर्ष ही जीवन जिया। स्वामी प्रणवानंद ने मात्र 42 वर्ष का जीवन जीया था। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं' का उद्घोष करने वाले गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जी महाराज भी युवा ही थे। रानी लक्ष्मीबाई काशी में जन्मी थीं। मात्र 23 वर्ष की आयु में झांसी की आजादी के लिए युद्ध लड़ा था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी युवा ही थे। भारत की आजादी के लिए क्रांतिदूत बनकर बलिदान देने वाले चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह आदि क्रांतिकारी युवा ही थे। विनायक दामोदर सावरकर को मात्र 28 वर्ष की आयु में दो बार आजीवन कारावास की सजा हुई, वे भी युवा ही थे। महाभारत का वह दृश्य, जिसमें 16 वर्ष का अभिमन्यु चक्रव्यूह को भेदता हुआ कौरवों के छक्के छुड़ाता है। वह युवा ही थे। फ्रांस के लुईस ब्रेल ने 15 वर्ष की आयु में दृष्टिहीनों के लिए लिपि की खोज की थी। सापेक्षता का सिद्धांत देने वाले आइंस्टीन की आयु उस समय मात्र 16 वर्ष थी। गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत देने वाले न्यूटन की आयु उस समय मात्र 23 वर्ष की थी। सीएम ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता व एकता के कारण भारत दुनिया के नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। लोकतांत्रिक परंपराओं पर विश्वास करते हुए 140 करोड़ की आबादी जिस भाव-भंगिमा के साथ एकता व अखंडता के लिए यशस्वी नेतृत्व में कार्य कर रही है, वह भारत को दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के रूप में भी प्रस्तुत करती है। डेमोग्रॉफी, डेमोक्रेसी व डायवर्सिटी की यह त्रिवेणी हमें विशिष्ट बनाती है। नित्य नूतन व चिर पुरातन संस्कृति की सुदृढ़ नींव पर हमारा देश अपने स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरा करते हुए अमृतकाल के प्रथम वर्ष में जी-20 के इस आयोजन की अध्यक्षता कर रहा है। हर भारतवासी न केवल इन आयोजनों के प्रति लालायित है, बल्कि वैश्विक मंच पर उभरते भारत के रूप में प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

सीएम ने कहा कि वाराणसी बाबा विश्वनाथ का पावन धाम है। प्राचीन काल से धर्म व अध्यात्म की नगरी होने के साथ ही भारत के अध्यात्म दर्शन, शिक्षा, साहित्य और कला की भूमि के रूप में भी यह प्राचीन नगरी के रूप में जानी जाती रही है। वाराणसी उत्तर प्रदेश के प्रमुख महानगरीय होने का सौभाग्य प्राप्त करती है। इसमें न केवल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परंपरा, बल्कि कला, संगीत व शिक्षा की प्रमुख नगरी के रूप में भी वाराणसी समेत उप्र के अनेक नगरों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि वह भारत के हृदय स्थल के रूप में पहचान बनाने में सफल हुए हैं।

आगामी चुनाव में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा, बीजेपी की 24 घंटे, 24 कैरेट व 24 की तैयारी : केशव मौर्य

मुरादाबाद। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुरादाबाद पहुंचकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं से मुलाकात की। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत किया गया। सर्किट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ संवाद के दौरान उन्होंने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राम लला का भव्य मंदिर बन सकता है।

जम्मू-कश्मीर से 370 हट सकती है, चार करोड़ गरीबों को पक्के आवास, 80 करोड़ से अधिक लोगों को निशुल्क राशन मिल सकता तो मुझे पूरा भरोसा है कि जो स्वप्न आपने देखा है वह उचित तरीके से, उचित समय पर जरुर पूरा होगा। उन्होंने संभल में कहा कि इस बार पार्टी मंडल में नहीं पूरे प्रदेश की 80 सीट पर जीत हासिल करेगी। तीसरी बार नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे। आगे कहा कि संभल के सांसद को तो भारत माता की जय कहने में भी परेशानी होती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जय श्री राम के नारे से ही अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बन गया और धारा 370 हट गई। सवालिया लहजे में कहा कि कांग्रेस के राज में ऐसा होना मुमकिन था क्या। जो गरीब और किसानों को योजनाओं के लाभ मिल रहे हैं वह नहीं मिलते। इसलिए कांग्रेस मुक्त भारत बनाना है। डिप्टी सीएम ने नया नारा देते हुए कहा कि 24 घंटे, 24 कैरेट, 24 की तैयारी है। पूरा भारत मोदीमय है, फिर मोदी की तैयारी है।

डिप्टी सीएम से सवाल किया गया कि वर्ष 2019 में मुरादाबाद मंडल में काफी कमजोर स्थिति रही थी। किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। डिप्टी सीएम ने जवाब देते हुए कहा कि इस बार मंडल में मजबूत स्थिति रहेगी। संभल और मंडल की सभी सीटों पर जीत मिलनी तय है। सपा पर तंज करते हुए कहा कि उनका इस चुनाव में खाता भी नहीं खुलने वाला है। कहा कि यादव जाति को सपा, बसपा और कांग्रेस वोट बैंक समझते हैं। जबकि यादव राष्ट्रवादी और मोदीवादी हैं। इस लोकसभा चुनाव में वह दिखा भी देंगे। मुरादाबाद के ब्लॉक प्रमुख व बीडीओ सम्मेलन में गरीब कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों को आवास योजना की चाभी, मनरेगा प्रमाण पत्र सौंपे। इसके अलावा दो करोड़ से अधिक लेनदेन करने के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रमाण पत्र तथा अन्य योजनाओं के प्रशस्ति पत्र वितरित किए। कहा कि भाजपा सरकार गांव और गरीब के विकास के लिए समर्पित सरकार है। मौके पर मेयर विनोद अग्रवाल, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान, जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए जारी हुई एडवाइजरी, बच्चे-बुजुर्ग व बीमार न आएं

आगरा। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में हर दिन हजारों की संख्या में भक्त अपने आराध्य के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने हरियाली तीज पर मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि श्रद्धालु अपने साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांग और मरीजों को मंदिर में न लाएं। इसके साथ ही जेबकतरों और मोबाइल चोरों से भी सावधान किया है। बांकेबिहारी मंदिर के प्रबंधक (प्रशासन) मुनीश कुमार द्वारा जारी एडवाइजरी में हरियाली तीज पर होने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं को कई तरह की चेतावनी दी है, जिसमें बताया कि श्रद्धालु अपने साथ लगेज और कीमती सामान न लाएं, मंदिर में आने से पहले मुख्य मार्ग पर बने निशुल्क जूता घरों में जूता-चप्पल उतारकर आएं। मंदिर प्रबंधन ने मंदिर में जेबकतरे, चेन कतरे और मोबाइल चोरों से भी श्रद्धालुओं को सचेत किया है। इसके साथ ही मंदिर प्रबंधक ने हरियाली तीज पर भीड़ के आंकलन के बाद ही वृंदावन आने की सलाह दी है। दर्शनार्थियों को लपकों और असामाजिक तत्वों से भी सावधान रहने को कहा है। मंदिर प्रबंधक ने बताया कि शनिवार को हरियाली तीज पर सोने-चांदी से जड़ित हिंडोला में ठा. बांकेबिहारी के दर्शन होंगे। इसके लिए लाखों श्रद्धालु ठाकुरजी के दर्शन करने के लिए आएंगे। उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए मंदिर प्रबंधन द्वारा यह एडवाइजरी जारी की गई है। शनिवार को प्रातः 7.45 बजे से दोपहर दो बजे और सायंकालीन सेवा में शाम पांच बजे से रात्रि 11 बजे तक ठा. बांकेबिहारी गर्भगृह से बाहर स्वर्ण हिंडोला में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

लखीमपुर खीरी में बड़ा हादसा: तेज धमाके के साथ पूरा मकान हुआ धराशायी, मां-बेटे की मौत, पांच लोग घायल

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के जंगबहादुरगंज कस्बे में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मकान में तेज धमाका हो गया, जिससे पूरा मकान धराशायी हो गया। हादसे में परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई है। मरने वाले मां-बेटे बताए गए हैं। कई लोग घायल हुए हैं। घर के आसपास बंधे मवेशी भी चपेट में आ गए, जिससे दो मवेशी भी मर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के मुताबिक जंगबहादुरगंज में बब्बू का मकान है। उसके मकान में शाहजहांपुर के गांव दबौरा निवासी मोहम्मद नबी (40) अपनी पत्नी हलीमा (30) और पुत्र जीशान (14) के साथ किराये पर रहता था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह करीब छह बजे अचानक तेज धमाका हो गया, जिससे पूरा मकान जमींदोज हो गया। धमाका इतनी तेज था कि पड़ोसी के मकान का लिंटर भी गिर गया। मकान ढहने से दोनों परिवार के कई लोग मलबे में दब गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने हलीमा और उसके पुत्र जीशान को मृत घोषित कर दिया।

मोहम्मद नवी, मकान मालिक बब्बू, उसकी पत्नी पीर बानो, पुत्री अलीना और मोहम्मद शमद घायल है। इनकी हालत गंभीर बताई गई है। परिवार वालों का कहना है कि गैस सिलिंडर लीकेज होने से हादसा हुआ है। वहीं ग्रामीण इसे संदिग्ध मान रहे हैं। मौके पर एक सिलिंडर सही मिली है। मकान में पटाखा बनाने का कार्य होने की भी चर्चा है। हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

बिना शादी के पैदा हुए बच्चों को भी मिल सकती है पैतृक संपत्ति? जल्द आएगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को साल 2011 की एक याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस याचिका में एक जटिल कानूनी मुद्दा उठाया गया था, जिसमें पूछा गया था कि बिना शादी के पैदा हुए बच्चे क्या हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अपने माता-पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सेदार होंगे या नहीं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर विभिन्न वकीलों की दलीलें सुनीं और फिलहाल अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट इस बात का भी फैसला करेगा कि क्या बिना शादी के पैदा हुए बच्चों का अधिकार, हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 16(3) के तहत सिर्फ अपने माता-पिता द्वारा अर्जित की गई संपत्ति पर ही होगा या फिर पूरी पैतृक संपत्ति पर भी उसका अधिकार होगा। 31 मार्च 2011 को दो जजों की पीठ ने इस मामले को बड़ी पीठ के पास भेज दिया था। कोर्ट ने कहा कि 'प्रावधान साफ हैं कि शून्य या निरस्तीकरण शादी से पैदा हुए बच्चे सिर्फ अपने माता-पिता की संपत्ति पर दावा कर सकते हैं।' हालांकि मौजूदा पीठ ने इस फैसले से असहमति जताई है कि बिना शादी के पैदा हुए बच्चे अपने माता-पिता की पैतृक संपत्ति पर दावा नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा कि 'हर समाज में वैधता के नियम बदल रहे हैं। जो पूर्व में अवैध था हो सकता है वह आज वैध हो जाए। अवैधता की अवधारणा सामाजिक सहमति से पैदा होती है, जिसमें कई सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में बदलते हुए समाज में कानून स्थिर नहीं रह सकते।' हिंदू विवाह अधिनियम के तहत एक शून्य या अमान्य शादी में दोनों पक्षों को पति-पत्नी का दर्जा नहीं दिया जाता है। सिर्फ मान्य शादी में ही पति-पत्नी का दर्जा मिल सकता है।

गुरुग्राम में ऑनर किलिंग: मां-बाप और भाई ने मिलकर दबाया विवाहिता का गला, फिर जंगल में जलाया शव

गुरुग्राम। गुरुग्राम सेक्टर 102 में रहने वाली एक विवाहिता की गुरुवार दोपहर उसी के पिता, भाई और मां ने हत्या कर दी। पहले उसका गला घोंटा गया फिर उसके शव को झज्जर के सुरैती गांव में ले जाकर जला दिया गया। पुलिस ने सुरैती गांव से महिला के जले हुए शव को बरामद किया है और फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। महिला का नाम अंजलि है और उसने 6 महीने पहले एक युवक से शादी की थी इससे पिता भाई और मां नाखुश थे। इनका परिवार सुरैती में ही रहता है। शादी के बाद युवक-युवती गुरुग्राम के सेक्टर 102 में रहने के लिए आए थे। युवती का भाई इन्हीं के साथ उनके फ्लैट में रहता था। परिवार काफी दिनों से हत्या की साजिश रच रहा था। 17 अगस्त को युवती का पति संदीप किसी काम से अपनी बहन के घर गया था। इसके बाद युवती के भाई ने अपने पिता और माता को फ्लैट में बुला लिया और सभी ने मिलकर गला घोंट कर युवती की हत्या कर दी। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। युवती जाट समाज से आती है और उसने ब्राह्मण समाज के युवक से शादी की थी।

मणिपुर में भड़की हिंसा, गोलीबारी में 3 कुकी नागरिकों की मौत; सुरक्षाबलों ने संभाला मोर्चा

इंफाल। पिछले कुछ दिनों की शांति के बाद हिंसाग्रस्त मणिपुर में शुक्रवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क गई। सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 5.30 बजे उखरुल जिले के लिटन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत थवई कुकी गांव में संदिग्ध मैतेई सशस्त्र बदमाशों और कुकी स्वयंसेवकों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें तीन कुकी लोगों के मारे जाने की खबर है। बीएसएफ सहित सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बताई गई है। सूत्रों के मुताबिक, मैतेई उपद्रवियों ने सबसे पहले गांव के ड्यूटी पोस्ट पर हमला किया, जहां स्वयंसेवक गांव की सुरक्षा के लिए ड्यूटी कर रहे थे। इस गोलीबारी में कुकी स्वयंसेवकों के तीन लोगों के मारे जाने की खबर है। मारे गए लोगों की पहचान जामखोगिन हाओकिप (26), थांगखोकाई हाओकिप (35) और होलेनसोन बाइते (24) के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि यह गांव मैतेई आबादी क्षेत्र से काफी दूर स्थित है। निकटतम मेइतेई निवास यिंगांगपोकपी में है जो घटना स्थल से 10 किलोमीटर से अधिक दूर है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से 37 बीएन बीएसएफ (महादेव) करीब पांच से छह किलोमीटर दूर है। घटना के बाद बीएसएफ सहित अन्य सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए हैं।

सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बता दें कि मणिपुर में बहुसंख्यक मैतई समुदाय जनजातीय आरक्षण देने की मांग कर रहा है। इसकी वजह ये है कि मैतई समुदाय की आबादी करीब 53 प्रतिशत है लेकिन ये लोग राज्य के सिर्फ 10 प्रतिशत मैदानी इलाके में रहते हैं। वहीं कुकी और नगा समुदाय राज्य के पहाड़ी इलाकों में रहते हैं जो की राज्य का करीब 90 फीसदी है। जमीन सुधार कानून के तहत मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों पर जमीन नहीं खरीद सकते, जबकि कुकी और नगा समुदाय पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। यही वजह है, जिसकी वजह से हिंसा शुरू हुई और अब तक इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने मणिपुर हिंसा की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए 53 अफसरों की टीम बनाई गई है, जिसमें 29 महिला अफसरों को शामिल किया गया है। सीबीआई की टीम में तीन डीआईजी लवली कटियार, निर्मला देवी और मोहित गुप्ता और सुपरीटेंडेंट ऑफ पुलिस राजवीर सिंह भी शामिल हैं। ये अधिकारी सीबीआई के जॉइंट डायरेक्टर घनश्याम उपाध्याय को अपनी रिपोर्ट देंगे। बता दें कि यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में महिला जांच अधिकारियों को जांच टीम में शामिल किया गया है।

रजनी साव ने एल्ब्रुस पर्वत पर चढ़ाई कर रचा इतिहास, फहराया तिरंगा

संतकबीरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रजनी साव ने यूरोप के 18,510 फीट के एल्ब्रुस पर्वत पर चढ़ाई कर इतिहास रचा है। उनकी इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बधाई दी है। साथ ही उनके आने पर स्वास्थ्य विभाग समेत प्रशासन के लोग सम्मानित करेंगे। बता दें कि रजनी साव नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मगहर पर एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। साथ ही वह जिला यूथ आईकान भी हैं। इससे पूर्व रजनी साव माउंट सिटी पर्वत हिमांचल प्रदेश, माउंट टेबल टॉक पर्वत श्रीनगर, माउंट यूनम पर्वत हिमाचल प्रदेश, साउथ अफ्रीका के माउंट किलिमंजारो पर्वत पर चढ़ाई कर चुकी हैं। रजनी साव ने बताया कि नौ अगस्त को उन्होंने यूरोप के एल्ब्रुस पर्वत पर चढ़ाई करना शुरू किया। उस दौरान रास्ते में कई जगह रुकीं। इसके बाद 15 अगस्त की सुबह 7.40 बजे माउंट एल्ब्रुस पर्वत के शिखर पर तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि वह आगे भी इसी तरह से पर्वत पर चढ़ाई जारी रखेंगी। इसमें यूरोप सरकार का भी सहयोग मिला।

उनके साथ चल रहे लोगों ने उन्हें बधाई दी। उनकी इस उपलब्धि पर डीएम संदीप कुमार, सीडीओ संत कुमार, सीएमओ डॉ अनिरूद्ध सिंह, सीएचसी अधीक्षक खलीलाबाद डॉ राधेश्याम यादव, बीपीएम अभय त्रिपाठी, बीसीपीएम महेंद्र त्रिपाठी आदि ने बधाई दी है।

संपादकीय

कांग्रेस को मिली संजीवनी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा से कांग्रेस पार्टी को नई संजीवनी मिली है। आपसी गुटबाजी में फंसी राजस्थान कांग्रेस के सभी नेता राहुल गांधी की यात्रा के बाद एक साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करने लगे हैं। लोकसभा की सदस्यता पुनः बहाल होने के बाद राहुल गांधी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में स्थित आदिवासियों के तीर्थ स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त मानगढ़ धाम में एक बड़ी जनसभा कर राजनीति के कई समीकरण साधे हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र के आदिवासी समाज की मानगढ़ धाम के प्रति अगाध श्रद्धा है। इन चारों प्रदेश के आदिवासी समाज के लोग मानगढ़ धाम को एक बड़े तीर्थ स्थल के रूप में मानते हैं और यहां आकर दर्शन करते हैं। आठ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मानगढ़ धाम में एक जनसभा को संबोधित किया था। राहुल गांधी के दौरे को प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की काट के रूप में देखा जा रहा है। इसी साल के अंत में राजस्थान व मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं। राजस्थानी विधानसभा की 25 और मध्यप्रदेश विधानसभा की 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। राहुल गांधी ने मानगढ़ धाम में जनसभा को संबोधित कर इन 72 विधानसभा सीटों पर निशाना साधा है। आदिवासी समाज कभी कांग्रेस के कोर वोट हुआ करते थे। मगर धीरे-धीरे भाजपा ने उनमें सेंध लगा दी। अपने कोर वोटरों को फिर से कांग्रेस से जोड़ने के लिए ही राहुल गांधी ने आदिवासी क्षेत्र में जनसभा कर उनसे एक बार फिर भावनात्मक रिश्ता बनाने की कोशिश की है। जनसभा में अपने भाषण में भी राहुल गांधी ने अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की चर्चा कर आदिवासी समाज को इंदिरा गांधी से उनके संबंधों को याद दिलाने का प्रयास किया है। 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के 13.5 प्रतिशत मतदाता है। जिनके लिए 200 में से 25 विधानसभा सीटें आरक्षित है। राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें सिर्फ 11 जिलों तक ही सीमित है। जिन में उदयपुर जिले में पांच, बांसवाड़ा जिले में पांच, डूंगरपुर जिले में चार, जयपुर, करौली व प्रतापगढ़ जिलों में दो-दो तथा अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, सिरोही व बारां जिले में एक-एक विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। उदयपुर डिवीजन में सबसे अधिक 16 विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित है। जिनमें वर्तमान में भाजपा के पास आठ, कांग्रेस के पास पांच, भारतीय ट्राइबल पार्टी के पास दो व निर्दलीय के पास एक सीट है। 2018 के विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित 25 सीटों में से कांग्रेस ने सबसे अधिक 12 विधानसभा सीटें जीती थी। वहीं भाजपा ने नौ, भारतीय ट्राइबल पार्टी ने दो व दो सीटों पर निर्दलीय जीते थे। लेकिन कांग्रेस का इस बार पूरा प्रयास है कि आदिवासी समुदाय के लिए आरक्षित सभी 25 विधानसभा सीटों को जीता जाए। इसीलिए कांग्रेस ने अपने 12 आदिवासी सीटों पर जीते विधायकों में से पांच को मंत्री बनाया हैं। विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होने से पहले ही कांग्रेस ने सबसे पहले बड़ी रैली भी आदिवासी बहुल क्षेत्र में ही करवाई है ताकि आदिवासी वोटों को फिर से कांग्रेस के साथ जोड़ा जा सके। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार ने आदिवासी वोटों को साधने के लिए आदिवासी बहुल उदयपुर जिले में सलूंबर को नया जिला तथा बांसवाड़ा को नया संभाग मुख्यालय बनाया है। बांसवाड़ा संभाग के बांसवाड़ा, डूंगरपुर व प्रतापगढ़ जिलों में कुल 11 विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। जिसमें अभी कांग्रेस के चार, भाजपा के चार, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो व एक सीट पर निर्दलीय विधायक है। 11 सीटों को ध्यान में रखकर ही कांग्रेस पार्टी ने बांसवाड़ा जैसे छोटे जिले को संभाग मुख्यालय बना दिया है। उदयपुर संभाग में नवगठित बांसवाड़ा संभाग में आदिवासी मतदाताओं में भारतीय ट्राईबल पार्टी ने भी तेजी से अपनी पैंठ बनाई है। पिछले विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले ही गुजरात के आदिवासी नेता छोटूभाई वसावा ने भारतीय ट्राइबल पार्टी का गठन कर राजस्थान की कुछ सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और डूंगरपुर जिले की दो सीट सागवाड़ा व चैरासी पर भारतीय ट्राइबल पार्टी के रामप्रसाद व राजकुमार रोत विजय हुए थे।

पाने खातिर वोट !

बोल रहे अपशब्द अब ।
पाने खातिर वोट ।।
मिल जाए सब मौका ।
इसलिए ये चोट ।।
बोल कर अब कुछ भी ।
होगा रहना व्यस्त ।।
बुरा नहीं पर हम ।
करते ये आश्वस्त ।।
है लेकिन मजबूरी ।
करें इसे स्वीकार ।।
बढ़ गई यदि सीटें ।
है बड़ा उपहार ।।
जोर आजमाईश ।
ऐसे चलने वाली ।।
ना समझना इसको ।
पुलाव पर खयाली

–कृष्णेन्द्र राय

भारत की एकता तथा आपसी सद्भाव को और मजबूत करेगा मेरी माटी मेरा देश अभियान

डॉ. शंकर सुवन सिंह

अपनी मिट्टी से लगाव रखने वाला व्यक्ति ही स्वदेशी होता है। स्वदेशी होने के लिए स्वतंत्र होना जरूरी है। अतएव किसी भी देश की मिट्टी का जुड़ाव उस देश की स्वतंत्रता से होता है। देश स्वतंत्र होगा तभी हम स्वदेशी कहलाएंगे। स्वतन्त्रता को बनाए रखने के लिए स्वेदशी, स्वावलम्बी, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। हिन्दू संस्कृति में श्रीराम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के रूप (प्रतीक) के तौर पर किया जाता है। रामराज्य, लोकतन्त्र का परिमार्जित रूप माना जा सकता है। वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधीजी की चाह थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी शासन से मुक्ति के बाद ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था।

स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाता है। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। आत्मनिर्भरता स्वतन्त्रता का मूल है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। कहने का तात्पर्य यह है कि रामराज्य वो शासन है जिसमे सभी स्वतंत्र होते हैं। ऐसी स्वतंत्रता जिसमें धर्म और रंग भेद के आधार पर विषमता न पैदा की जाए। यही स्वतन्त्रता गाँधी का रामराज्य कहलाया। गांधी का रामराज्य सत्य और अहिंसा पर आधारित था। गांधी के रामराज्य को व्यवहार में उतारना होगा। सत्य और अहिंसा को आचरण में उतारने की जरूरत है। गांधी की विशेषताओं को रामराज्य का आधार बनाना होगा। रामराज्य लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करता है। अभियान लोगों में जागरूकता पैदा करता है। मेरी माटी मेरा देश अभियान का लक्ष्य देश प्रेम के प्रति जागरूक होना है। पूरे देश में 9 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें भारत में अलग-अलग जगहों पर शहीदों को

सम्मान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान को शुरू किया था और इस साल मेरी माटी मेरा देश अभियान शुरू किया है। मोदी द्वारा उठाए जा रहे इन कदमों से आने वाली पीढ़ी के मन में भी अपने देश के प्रति कुछ करने की इच्छा उत्पन्न होगी। यह अभियान माननीय प्रधानमंत्री जी का राष्ट्र के प्रति प्रेम को दशार्ता है। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत 7500 कलशों को माटी और पौधे के साथ-साथ देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंचाया जाएगा। इन सभी कलश और मिट्टी के पौधों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के पास रोपड़ (रोपा) किया जाएगा। जिसे आने वाले समय में अमृत वाटिका के नाम से जाना जाएगा। कहने का तात्पर्य यह है कि मेरी माटी मेरा देश अभियान, भविष्य की अमृत वाटिका होगी। यह 'अमृत वाटिका' 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक होगी। इस अभियान के अंतर्गत पूरे भारत के लाखो ग्राम पंचायतों में एक विशेष प्रकार का शिलालेख (शिलाफलकम) भी स्थापित किया जाएगा। जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों और वीरगति को प्राप्त सैनिकों के नाम होंगे।

पंच प्रणों जो मेरी माटी मेरा देश के तहत लिए गये हैं वो इस प्रकार हैं–

1. देश की रक्षा करने वाले शहीदों को सम्मान देना है।
2. हमारे मन में बसी गुलामी की मानसिकता को जड़ से बाहर निकालना।
3. देश के प्रत्येक नागरिक को एकजुट एवं एकता के साथ कर्तव्यबद्ध रहना।
4. भारत देश को 2047 में विकसित देश बनाने का सपना साकार करना है।
5. हमारे देश के नागरिक होने के कर्तव्य को निभा कर देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करना है।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के नाम से 1967 में आई उपकार फिल्म का गाना याद आता है कि मेरे देश की मिट्टी सोना उगले उगले हीरे मोती मेरे देश की मिट्टी। वाकई में विश्व में भारत देश जैसा देश कोई और नहीं। जहां की मिट्टी और हवा जड़ी और बूटी का काम करते हैं। तभी तो भारत कोरोना जैसी स्थिति से भी निपटने में सक्षम रहा। अतएव हम कह सकते हैं कि मेरी माटी मेरा देश अभियान अक्षुण्ण एकता की मिसाल है। हिंदुस्तान संस्कृति और संस्कारों की धरती रही है। यहां 2500 ईसा पूर्व ऋग्वेद की रचना हुई। योग के जनक महर्षि पतंजलि थे। योग हजारों वर्षों पुरानी पद्धति है। आजकल के जनप्रतिनिधि धर्म की आड़ में इन पुरानी संस्कृतियों का दुरुपयोग कर भारतीय संस्कृति को राजनीति का हिस्सा बना रहे हैं। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राजनैतिक पार्टियां वोट को साधने के लिए राम राज्य का सहारा लेती हैं। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान श्रीराम सहिष्णुता के प्रतीक थे। श्रीराम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान श्रीराम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज राजनैतिक पार्टियों ने भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, श्रीहनुमान, मोहम्मद पैगम्बर, ईसा मसीह आदि को वोट बैंक का आधार बना लिया है। अतएव अब राम राज्य का पतन हो चुका है। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीं दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है। यदि आत्मनिर्भरता, स्वतन्त्रता, स्वावलम्बन, स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि आत्मनिर्भरता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। वास्तव में भारत आत्मनिर्भर तभी बन पाएगा। आत्मनिर्भर भारत के बिना कोई भी जागरूकता किसी काम की नहीं। मेरी माटी मेरा देश अभियान के लक्ष्य को आत्मनिर्भरता के बिना नहीं पाया जा सकता है।

कहानी : बदलाव

दीपा और आलोक दोनों कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत थे। दीपा भूगोल विषय में और आलोक भौतिक विज्ञान में, दोनों को ईश्वर ने फुर्सत से गढ़ा बनाया था।उन दोनों का वाह्य व्यक्तित्व जितना सुंदर था उतना ही उनका अंतर्मन भी निर्मल एवं पवित्र था। दोनों पति-पत्नी इतने भाग्यशाली थे कि दोनों की नियुक्ति एक ही महाविद्यालय में हुई। दोनों में अगाध प्रेम था। दोनों की उम्र यही कोई तीस-बत्तीस के आसपास रही होगी। विवाह के तीन बरस बीत चुके थे। दोनों बेहद खुश मिजाज इंसान थे।जितने ही शिष्ट उतने ही विनम्र। कॉलेज में दोनों की छवि एक अच्छे अध्यापक के साथ ही साथ एक अच्छे इंसान की छवि भी थी। दोनों जीवन पथ पर मन में उमंग और उत्साह लिए आगे बढ़ रहे थे। आलोक के माता-पिता भी बहुत सुलझे हुए सज्जन लोग थे। दोनों ही अध्यापक के पद से अवकाश मुक्त हो चुके थे।वे दोनों ही प्राणी बेटे बहू से बेहद प्यार करते थे। दीपा और आलोक भी माता पिता की उम्मीदों पर सदैव खरा उतरने का प्रयास करते। विचारों में कभी मतभेद भी होता तो सब साथ बैठकर आपस में कोई सकारात्मक हल निकालने का प्रयास करते। इतने सभ्य और सौम्य परिवार पर सबकी ही दृष्टि जाती किसी की सकारात्मक तो किसी की नकारात्मक पर दीपा और आलोक का परिवार ऐसा था कि सकारात्मकता को मोती की तरह चुन लेता और विचारों की सुंदर माला पिरोकर मानस में धारण करता तथा नकारात्मक विचारों को परे झटक देता। वक्त तेजी से बीत रहा था। दीपा और आलोक ने अपने वैवाहिक जीवन के पांच वर्ष सहर्ष पूरे किए।

शारदीय नवरात्र चल रहा था। घर में प्रतिदिन पूजा पाठ होता। सायंकाल भजन कीर्तन होता। आसपास के कुछ लोग भी इकट्ठा होते। कभी कभी कुछ रिश्तेदार भी जुट जाते। कुल मिलाकर माहौल बड़ा पवित्र बन गया था। ऐसे ही एक दिन भजन कीर्तन के बाद कुछ चर्चा छिड़ी ,दीपा और आलोक के विवाह को लेकर कि इनके विवाह को पांच वर्ष हो गए पर घर आंगन में अभी तक बच्चों की किलकारियां नहीं गूंजी। दीपा लोगों को उस समय प्रसाद दे रही थी, जैसे ही उसने यह सब सुना उसको बहुत अफसोस हुआ लोगों की सोच पर,वह अपने कमरे में चली आई और सोचने लगी कि इतनी शिक्षा - दीक्षा लेकर भी हम जिस समाज में रहते हैं वहां बड़ी वैचारिक सड़ांध है। लोगों के सोचने और समझने का ढंग वही सदियों पुराना ही है। उसको लोगों द्वारा कसी गई कुछ फब्तियां भी कुरेदती रहीं।वह देर तक सोचती रही कि क्या विवाह की सफलता बस संतान उत्पत्ति तक ही है।उसे अपनी सासू मां का उतरा हुआ चेहरा याद आया। दीपा ने निश्चय किया कि अब हमें इस विषय में गंभीरता से सोचना ही होगा।

उसने आलोक से अपनी उलझन साझा की वह मुस्कुराया बोला दीपा यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं है। कुछ लोगों को आदत होती है यूं ही बिना सोचे समझे बोलने की।वह कहता गया आज हमारे देश को एक बड़े बदलाव की जरूरत है पर लोग हैं कि देशहित में कुछ सोचते ही नहीं।आज हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है जनसंख्या वृद्धि। उसको कैसे नियंत्रित किया जाए इस पर लोगों का जरा भी ध्यान नहीं जाता। लाखों संख्या में बच्चे आज भी अशिक्षित हैं उनको शिक्षित करने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की ही नहीं है हम सभी देशवासियों की भी हैं । करोड़ों की संख्या में इस देश में बच्चे अनाथाश्रमों में पल बढ़ रहे हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इन विकट समस्याओं पर भी लोग खुलकर सोंचें और उन्हें दूर करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आलोक कहता जा रहा था और दीपा सुनती गुनती जा रही थी।वह मन ही मन आश्वस्त भी होती जा रही थी कि आलोक उसका हमसफर ही नहीं हमखयाल भी है। दीपा ने भी कहना शुरू किया, उसने कहा आलोक! भारत युवाओं का देश है यदि हर युवा जागरूकता अभियान छेड़ दे तो सुधार संभव है। अशिक्षा, जनसंख्या वृद्धि सबको नियंत्रित किया जा सकता है। क्यों न हम एक मुहिम चलाएं कि भारत का हर समृद्ध व्यक्ति अनाथालय से कम से कम एक बच्चे को गोद ले ।उसका उचित पालन पोषण उसकी शिक्षा दीक्षा की जिम्मेदारी उठाए। हर नवदम्पत्ति इस विषय पर विचार करे और उचित कदम उठाए। तभी इन समस्याओं का हल निकल सकता है अन्यथा नहीं। दोनों ने अपने विचार अगले दिन माता-पिता के समक्ष खुलकर रखा और आपसी सहमति से दोनों ने पीहू और वैभव दो बच्चों को गोद लिया काश कि ऐसे फैसले हम सभी कर पाते। इस देश को इस बड़े बदलाव की जरूरत है।आइए मिलकर सोचें और कुछ सार्थक कदम उठाएं।

स्वरचित, मौलिक

डॉ मधु पाठक, हिन्दी विभाग

राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश, भारत।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

मुकेश पोपली

यह तो हम सब जानते हैं कि हम जीव की श्रेणी में आते हैं। अब इस दुनिया में जितने भी जीव हैं, उनमें बुद्धि वाला प्राणी मात्र मानव है। बुद्धि है तो विचार है और विचार है तो बुद्धि का उपयोग है। मन में विचार तब ही उठते हैं जब हम बुद्धि का प्रयोग करते हैं और विचार ही इस समाज को आगे ले जाने के लिए सबसे बड़ा साधन है।

हम सबके मन में तरह-तरह के विचार आते ही रहते हैं और उन्हें फलीभूत करने के लिए हम अपने प्रयास भी करते हैं। इन प्रयासों की सफलता और असफलता, दोनों का असर हम पर दिखाई भी देता है। कभी तो हम बिल्कुल धीर शांत चित्त रहते हैं तो कभी-कभी संतोषजनक की स्थिति में होते हैं। बहुत बार हम खुद की कमियों को भी ढूंढ़ने का प्रयास करते हैं और यह भी सत्य है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। यह भी देखा जाता है कि असफलता हमें निराश भी कर देती है। जो शांत प्रवृत्ति रखते हैं, वे अपने विचारों को किसी विशेष अवसर पर प्रकट करने के लिए अपने हृदय में आत्मसात कर लेते हैं। जो दुष्प्रवृत्ति के लोग होते हैं, वे इन्हें कभी तो अपने विरोधी तो कभी अपने से छोटे लोगों पर रौब जमाकर अपना ज्ञान कुछ ही देर में बघारने लगते हैं।

हालांकि यह हमारी बुद्धि पर ही निर्भर है कि हमें अपने विचारों का कैसे सदुपयोग करना है या दुरुपयोग। लेकिन विचार किसी भी तरह के हों, उन्हें प्रकट करने के लिए शब्दों का सहारा तो लेना ही पड़ता है। और इसका महत्त्व भी इसी में है। हम अक्सर देखते हैं कि धार्मिक प्रवचन हों या नेताओं की सभा और यहां तक कि गंभीर साहित्यिक गोष्ठी में भी बहुत से लोग केवल आपस में ही बात करते रहते हैं। जब बाद में कोई उनसे इस कार्यक्रम के बारे में जानना चाहता है तो वे खिसियाई-सी मुस्कान चेहरे पर ले आते हैं या फिर झेंपने लगते हैं। बहुत सारी पुस्तकों में इस आशय की बात कही गई है कि जैसे समुद्र की सतह पर बहुत हलचल होती है, लेकिन गहरा गोता लगाने वाले अंदर की गंभीरता और शांति से सराबोर हो जाते हैं, ठीक उसी प्रकार बहुत से व्यक्ति स्थूल होते हैं और उन्हें वक्ताओं के शब्दों में छिपा सार नजर नहीं आता। ऐसे लोग सिर्फ भीड़ कहलाते हैं।

हम सब अपने छुटपन को याद करें तो हमें ध्यान आता है कि स्कूल और कालेज में हमारे बहुत से विद्यार्थी साथी अध्यापक के शब्दों पर ध्यान नहीं देते थे। बाद में उनके परिणाम भी खराब ही आते रहे। समय रहते जिसने बुद्धि का प्रयोग किया, वह फिर आगे निकल गया। कोई भी शब्द हो, वह अपना असर दिखाता ही है। बात सिर्फ किताबों और पोथियों की ही नहीं है, इसमें हमारी बुद्धि भी उतनी ही भागीदारी निभाती है, जितनी वक्ता की वाणी। इस बात को यों भी समझा जा सकता है कि हमारे महापुरुष हमेशा से कहते आए हैं कि प्रत्येक प्राणी को ईश्वर में ध्यान लगाना चाहिए।

अनेक आशंकाओं का निराकरण करते हुए कुछ संत ज्ञान देते हैं कि आपको जिसने जीवन दिया है तो उसका मोल तो उसे हमें चुकाना ही है। अगर हम यह मानते हैं कि हमारा जीवन ईश्वर की कृपा है तो हमारी आराधना, भक्ति के रूप में अगर उसका मूल्य हम साथ-साथ चुकाते रहें तो अंतिम समय आने पर हमारे खाते में कुछ हमारे नाम नहीं रहेगा और हम इस जंजाल से मुक्त रहेंगे।

इसके लिए ध्यान से लेकर विचार और साधना आदि कई साधन हैं और इनमें काम आने वाले शब्दों की नाव हमारे आसपास ही हैं। अगर किसी की कमी है तो वह है मात्र हमारे संकल्प की। ऊहापोह से निकल कर हम केवल संकल्प लें, रास्ते अपने आप खुलते चले जाएंगे। वैसे भी इस जीवन पर जिसकी नजर है तो प्रकृति या फिर ईश्वर ही तो है। यहां पर केवल एक बात का ध्यान रखना है कि किसी के बहकावे में आकर इस पथ पर आगे बढ़ना एक अपराध है। इसलिए महापुरुषों ने जैसा किया है, हम उसी मार्ग पर चलें। पहले अपने आप को तैयार कर लेना चाहिए। फिर नियम बनाकर और उस मार्ग पर चलने का विचार किया जा सकता है। फल की चिंता किए बगैर धीरे-धीरे आगे बढ़ना ही ज्यादा बेहतर है। कबीर दास ने भी कहा है, धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय/ माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय। मानव जीवन में वैसे भी सबसे दुर्लभ गुण धीरज ही है जो प्रत्येक के बस में नहीं रहता। अब अगर कहीं जल्दी-जल्दी में या बिना कुछ सोचे-समझे हमने अपने शब्दों को प्रकट कर दिया, तब मुश्किलें बढ़ेंगी और अब तक जो भी किया है, वह मिट्टी में मिल जाएगा। हमें अपने शब्दों की नाव का खुद ही खेवैया बनना चाहिए, क्योंकि कमान से निकला तीर और जबान से निकला शब्द कभी वापस नहीं आता।

9 सितम्बर को जनपद भर के न्यायालय में लगेगा राष्ट्रीय लोक अदालत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर ने द्वारा न्यायालय गाजीपुर के दसकक्षीय सभागार में शुक्रवार को विडियोकान्फ्रेसिग के माध्यम से बताया कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत जनपद गाजीपुर में दिनांक 09 सितम्बर, 2023 को लगाया जाना है जिसमें समस्त वादो जैसे मारपीट, बकाया बिल, बैक से सम्बन्धित, गाड़ी का चालान एवं अन्य छोटे वादो का मौके पर तत्काल निस्तारण किया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपद के समस्त जनपदवासियों से अपील किया है कि आप सभी जनपद गाजीपुर के न्यायालय में 09 सितम्बर, 2023 को सुबह 10 बजे बहुचकर अपने समस्याओं एवं न्यायालय में छोटे लम्बित मामलो का तत्काल निस्तारण किया जायेगा। आप सभी ज्यादा से ज्यादा न्यायालय तक पहुचे यही हमारा उद्देश्य है। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निदेशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय, गाजीपुर, वाह्य न्यायालय सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद व ग्राम न्यायालय जखनियां के साथ-साथ अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में दिनांक 09 सितम्बर 2023 को किया जाएगा। दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व की भांति माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित प्रकरण यथा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र संबंधी, छोटे व लघु दाण्डिक वाद, पारिवारिक वाद, धारा-138 एन.आई.एक्ट, स्टाम्प वाद/पंजीयन वाद, मोटर अधिनियम वाद, चकबंदी वाद, श्रम वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, वाट-माप प्रचलन अधिनियम वाद, कराधान प्रकरण, बिजली चोरी के वाद, सुलह समझौता एवं मध्यस्थता के माध्यम से वैवाहिक विवाद को परिपक्व कराकर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व की तुलना में ज्यादा से ज्यादा वादों का निस्तारण कर, आमजन को लाभान्वित करते हुए, राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। उक्त के अनुपालन में आज एक आवश्यक बैठक जनपद न्यायालय, गाजीपुर के दसकक्षीय सभागार में अपराह्न 01:30 बजे आयोजित की गयी। जिसमें दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर, कृपाशंकर सिंह एडवोकेट व गंगा प्रसाद सिंह एडवोकेट इंश्योरेंस कम्पनी, नंद कुमार मैनेजर, इण्डिन बैंक, संदीप कुमार जायसवाल सहायक मैनेजर बड़ौदा यू0पी0 बैंक व डी0के0 गुप्ता, बी0एस0एन 0एल0 एकाउण्ट आफिसर गाजीपुर उपस्थित हुए। बैठक में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौता के आधार पर बैंक ऋण सम्बन्धी एवं जनहित में प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया, लोकल रेडियों चैनल व मीडिया चैनल तथा यू-ट्यूब के माध्यम से तथा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के लिए विशेष रूप से चर्चा की गई।

समाज के उत्तरदायित्वों के प्रति प्रयत्नषील रहेः सांसद

जौनपुर। भारत के पंच प्रण पर युवा परिचर्चा सरजू प्रसाद शैक्षणिक सामामिक एवं सांस्कृतिक संस्थान नेहरू युवा केंद्र युवा केन्द्र द्वारा आयोजित बीआरपी०इण्टर कालेज में किया गया । मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी सांसद राज्यसभा एवं सुरेंद्र सिंह पूर्व विधायक द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया । अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हम सुसंस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण तथा देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु पंच प्रण लेते हैं स मनसा वाचा कर्मणा से देश को विकसित करने हेतु सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील रहेंगे । मुख्य अतिथि ने कहा कि देश की अनमोल विरासत सार्वभौम परंपरा पर और हम निरंतर गौरवान्वित होकर इस मनोभाव को अंगीकार करेंगे । देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु सदैव अनुवरात प्रयत्नशील होकर देश को विघ्नकारी तत्वों से सुरक्षित रखने हेतु अहर्निस प्रयासरत रहेंगे स एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमें अपने उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य बोध के प्रति जागरूक होकर समाज एवं देश के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे । प्रतियोगिता में पांच बच्चों को पुरस्कृत किया गया । अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य डा० सुबाष चन्द्र सिंह जिला युवा अधिकारी द्वारा किया गया । संचालन डॉ० दिलीप सिंह ने किया । दिनेश मणि ओझा लेखाधिकारी, प्रेम प्रकाश मिश्र पूर्व डाक अधीक्षक, प्रभाकर त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य पी० जी० , प्रो० रमेश मणि त्रिपाठी, प्रबंधकसंजय उपाध्याय, कवित्री विभा तिवारी, विजय मिश्रा, प्रधानाध्यापक सुभाष सरोज, प्रमोद प्रजापति मंजू देवी, आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अल्का की हुई पदोन्नति बनीं तहसीलदार

प्रखर कसया, कुशीनगर। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा नायब तहसीलदारों के पदोन्नति के क्रम में गोरखपुर में तैनात नायब तहसीलदार अल्का सिंह को देवरिया जनपद में तहसीलदार पद पर तैनाती मिली है। कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम धुरिया निवासी शिक्षक रामचन्द्र सिंह की पुत्री अल्का सिंह वर्ष 2016 में पीसीएस परीक्षा में सफलत हुई थीं और 4 सितंबर वर्ष 2019 में चौरी चौरा में नायब तहसीलदार बनीं। हाल ही में उन्हें नायब तहसीलदार न्यायिक गोरखपुर का अतिरिक्त प्रभार मिला था। अल्का के नायब तहसीलदार बनने पर दादा गुलाब सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह, राम दौर सिंह, संजय राय, राजेश शुक्ला, अनूप कुमार वर्मा, अमरेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, विनोद सिंह, सुबाष सिंह, रमेश सिंह, प्रह्लाद सिंह, अशोक सिंह, प्रधान विजय बहादुर राय, ब्रजेन्द्र कुमार शाही, अमिता सिंह, भरदुल प्रसाद, सुरेंद्र सिंह आदि ने खुशी व्यक्त किया।

अनुराग बने पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विस क्षेत्र के रतनपुर निवासी अनुराग मिश्रा को आधी आबादी पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाये जाने पर पार्टी कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणा सिंह द्वारा मनोयन पत्र मिलने पर गांव पहुचने पर कार्यकताओं व समर्थकों ने अनुराग मिश्रा का माला पहनाकर कर स्वागत किया।

शेरपुर कला में तिरंगा फहरा कर मनाया गया शहीद दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल क्षेत्र में शहादत दिवस के मौके पर क्रांतिकारियों के गांव शेरपुर कला में शान से लहराया तिरंगा स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकालकर शहीदी स्मारक पर पहुंचकर आज शहीदों को पुष्पांजलि के बाद श्रद्धांजलि अर्पित की । शहीद स्मारक शेरपुर कला पर अमर शहीद के पुत्र पूर्व विधायक अवधेश राय शास्त्री ने तिरंगा फहराया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। इस मौके पूर्व विधायक अवधेश राय शास्त्री ने कहा कि अमर शहीदों की शहादत आने वाली पीढ़ियों को देश पति नैतिकता एवं देश की स्मिता पर मर मिटने का संदेश देती रहेगी। शहीद हमारे अमूल्य धरोहर है।उनकी कुबा?नी कभी व्यर्थ नहीं जाएगी। ऐसे में आज अमर शहीदों के सपनों का भारत बनाने में देशवासियों को शपथ लेनी होगी। स्कूली बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ अष्ट शहीद अमर रहे नारों से देश भक्ति का माहौल बना। इस मौके पर शहीद डा0शिवपूजन राय के पौत. अजय राय, दिनेश राय, चौधरी, स्वदेश राय सहित सभी स्कूलों के अध्यापक एवं बच्चे शामिल रहे। इसी क्रम में शेरपुर खुर्द स्थित शहीद स्मारक पर डॉक्टर सत्यानंद राय ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर डा0 सत्यानंद राय ने अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए जिन शहीदों ने अपनी शहादत दी।जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा पेऱणाश्रोत रहेगी। इस मौके हेमनाथ राय, बरिष्ठ पत्रकार जय राय जेपी राय, नरायण उपाध्याय रामबली राय, राकेश श्रीवास्तव, जयानन्द राय, मुनीन्द्र राय, दयाशंकर राय, पारसनाथ पान्डेय, रमेश राय,भोला पान्डेय आदि लोग शामिल रहे।

अंतर्जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता में 18-8 से हराकर हुसेनपुर ने झटका खिताब

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बहरियाबाद स्थित मदरसा बहरूल ओलूम के मैदान पर चल रही तीन दिवसीय अंतर जनपदीय डे नाइट कबड्डी प्रतियोगिता गुरुवार की रात संपन्न हुई। खेल के फाइनल मुकाबले में हुसेनपुर ने चिलबिलिया की टीम को 18-8 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के कप्तान को बीस हजार रुपए नकद व ट्राफी तथा उपजेता टीम के कप्तान को दस हजार रूपए नकद व ट्राफी सहित दोनों टीमों को खेल किट प्रदान किया गया। वहीं टूनार्मेंट के मैन ऑफ द मैच रहे हुसैनपुर के सोनू यादव को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार मुख्य अतिथि संदीप सिंह द्वारा दिया गया। इसके पूर्व दूधिया रोशनी में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में चिलबिलिया ने बहरियाबाद को 17-9 से तथा हुसेनपुर ने अल कुरैश को 8-6 से हराकर फाइनल में स्थान बनाया। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश सचिव संजय यादव पप्पू, अल्हाज अब्दुल माजिद, संयोजक अब्दुल वाजिद अंसारी, नेसार अहमद, बंशराज यादव, सलीम अंसारी, दानिशवरा, रामव्रत मौर्य आदि उपस्थित रहे। अंत में बहरूल ओलूम इंस्टीट्यूशन के प्रबंध निदेशक अब्दुल वाजिद अंसारी पप्पू ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा वाराणसी की महिलाओं ने प्रस्तुत की शाम ए अवध की

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा वाराणसी की ओर से कैंटोनमेंट स्थित सूर्या होटल में 18 अगस्त शुक्रवार को सिंधारा महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया इस बार गंगा जमुनी तहजीब पर आधारित कार्यक्रम की थीम शाम ए अवध थी` अवध की संस्कृति गायन नृत्य से कार्यक्रम को शानदार बना दिया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर और गणेश वंदना से किया गया जिसमे अध्यक्षा प्रीति अग्रवाल के साथ सभी पूर्व अध्यक्षाओं ने भागीदारी की संस्था की सभी महिलाओं ने मुगल कालीन मल्लिकाओ के रुप में सज धज कर भारतीय रानियों के साथ बहुत शानदार महफिल सजाई लखनऊ की कव्वाली इशारों को अगर समझो अनीता भालोटिया मीता मरोलिया श्रद्धा अग्रवाल मीना गोयल मधु तुलस्यान नीतू मुरारका मधु शाह ने पेश की सिलसिला ये चाहत का, इन आंखों की मस्ती,ताल से ताल मिला,घर मोरे परदेशिया, रजवाड़ी होली, नैनो वाली ने, तेरी दीवानी मेघना, मेघा, नेहा, निकिता, सोनम, प्रेरणा,कीर्ति, दीप्ति, संगीता आदि सदस्याओं ने प्रस्तुति दी महिलाओं ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया` कार्यक्रम का संचालन और संयोजन मिली डीडवानिया अंशु अग्रवाल बबीता अग्रवाल वंदना रातेरिया ने किया तीज महोत्सव में आए महिलाओं का स्वागत व धन्यवाद शाखा सचिव प्रीति बाजोरिया प्रचार मंत्री समता डीडवानिया ने किया।

रेल सलाहकार के घर पहुंचे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चेयरमैन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भारत सरकार के चेयरमैन प्रियंक कनूंगों ने 18 अगस्त शुक्रवार को एक निजी दौरे पर शहर के युवा समाजसेवी साथ ही रेल मंत्रालय के सलाहकार शिशिर सिंह के चितईपुर स्थित आवास पहुंचकर उनसे एवं उनके परिवार जनों से शिष्टाचार भेंट की। रेल मंत्रालय में सलाहकार होने के नाते शिशिर सिंह चाइल्ड ट्रैफिकिंग को रोकने की दिशा में सदैव से गंभीर रहे हैं साथ ही इस दिशा में भारतीय रेल में एक विशेष स्क्वाड बनाए जाने की भी आवाज उठाते रहे हैं भारतीय रेल में योजनागत तरीके से मानव तस्करी पूर्ण रूप से रोकना उनके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं।

मोबाइल छीनने का विरोध किया तो यात्री को ट्रेन से फेंका

जौनपुर। जिले के शाहगंज में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास बोगी के गेट पर खड़े होकर बात कर रहे यात्री से उचक्कों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया। इस दौरान यात्री के विरोध करने पर हाथापाई व मारपीट होने पर उचक्कों ने यात्री को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। यात्री को काफी चोटें आई जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती कराया गया। फरूर्खाबाद जनपद के जहानागंज गुलेरिया गांव निवासी कासिम 26 पुत्र सैफू बुधवार को रसड़ा से अहमदाबाद जाने के लिए साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन सवार हुआ। रात में वह बोगी के गेट पर खड़े होकर मोबाइल पर बात कर रहा था।

कृषि से जुड़े उद्योगों पर सरकार का विशेष जोर

जौनपुर। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर में गुरुवार को एग्री जंक्शन लाभार्थियों के 13 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय द्वारा द्वितीय बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिए। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उप परियोजना निदेशक डा0 रमेश चंद्र यादव ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं कृषि स्नातकों को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार प्रशिक्षित उद्यमी स्वावलंबन योजना के तहत बेरोजगार कृषि स्नातकों को प्रशिक्षित कर रही है, उन्हें बीज खाद एवं रसायन के लाइसेंस के साथ बैंक से रुपये पांच लाख ऋण का ब्याज और एक साल तक का दुकान का किराया कृषि विभाग द्वारा दिया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में एग्री जंक्शन केंद्र खोले जा रहे हैं जहां किसानों को एक ही छत के नीचे उचित परामर्श के साथ कृषि निवेश के सारे सामान एक ही जगह पर सुगमता से उपलब्ध हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़े उद्योगों, डेयरी, पशुपालन, पोल्ट्री फार्म पर सरकार का विशेष जोर है इसके लिए सस्ते और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। उपेन्द्र कुमार, संकाय श्रवण कुमार, जगदीश गौर सहित चयनित 29 एग्री जंक्शन लाभार्थी मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में जेसीबी संचालक की हत्या

जौनपुर। जिले के केराकत कोतवाली क्षेत्र के खेपतपुर गांव के पुराने ट्यूबवेल पम्प के पास गुरुवार की सुबह युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव की पहचान की तो मृतक उसरपुर दिल्ला का पूरा निवासी संतोष यादव 32 वर्ष के रूप में हुई। बताया गया कि हत्या करने के दौरान हत्यारों ने जेसीबी संचालक के आंख में पहले मिर्च का पाउडर डालकर गाड़ी से नीचे गिरा दिया तत्पश्चात धार दार हथियार से सिर पर मारकर हत्या कर दी। सुबह टहलने गए ग्रामीणों की निगाह गांव खेत में पड़े शव पर गई तो पैरो तले से जमीन खिसक गई देखते ही देखते लोगो की भीड़ इकट्ठा हो गई।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वाराणसी में बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण पर छठे क्षेत्रीय परिचर्चा का किया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 18 अगस्त शुक्रवार को देशभर में बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा तथा बाल कल्याण वत्सल भारत पर छठी क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया` बीएचयू स्थित स्वतंत्रता भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो मौजूद रहे और साथ ही देश के विभिन्न कोनों से एनजीओ के प्रतिनिधियों सहित 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया संगोष्ठी में बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्ड, ग्राम बाल संरक्षण समिति के सदस्यों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण मुद्दों के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए देश भर में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय संगोष्ठियों की श्रृंखला का हिस्सा है। इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा कि आज हम सभी काशी में महामना के काशी हिंदू विश्वविद्यालय में इस समागम का आयोजन करवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं। हमें खुशी है कि देश के विभिन्न कोनों से लोग यहां शामिल होने पहुंचे हैं वर्ष 2014 के बाद से अब तक बाल कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं मिशन वात्सल्य और किशोर न्याय अधिनियम में बदलाव के कारण बाल संरक्षण कार्यकताओं का सम्मान बढ़ा है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के कारण पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी महत्वाकांक्षी योजना बन पाई भारत का किशोर न्याय अधिनियम काफी वृहद है, हम सबों को मिलकर इसके लिए धरातल पर काम करना है प्रियांक कानूनगो यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2022 किशोर न्याय नियमों में उल्लिखित दिशानिदेर्शों के अंतर्गत, बच्चों के अंतर-जिला और अंतर-राज्य स्थानांतरण के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित किया गया था इस पहल में राष्ट्रीय बाल आयोग और राज्य बाल आयोग का सहयोग शामिल था कार्यक्रम के दौरान"भारत वत्सल" कार्यक्रम मे बाल भिक्षावृत्ति और बाल श्रम मुक्त अभियान मे बेहतरीन प्रदर्शन करने तथा भारतवर्ष में चिन्हित प्रमुख 51 धर्म स्थलों में से श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिसर को चाइल्ड फ्रेंडली, बाल भिक्षावृत्ति और बाल श्रम मुक्त बनाए जाने में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से वाराणसी के मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल को मंच पर अवार्ड देकर पुरस्कृत किया गया एवं सम्मानित किया गया कार्यक्रम में स्वागत भाषण महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) में अतिरिक्त सचिव, संजीव कुमार चड्ढा ने दिया उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के पीछे का विचार उन सभी पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का उत्सव मनाना और उनकी सराहना करना है जो जिलों और यहां तक कि पंचायत स्तर पर भी काम कर रहे हैं उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में देश में बाल संरक्षण ईको-सिस्टम में पिछले कुछ वर्षों में किशोर न्याय अधिनियम और बनाए गए नियमों, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में किए गए संशोधनों से एक आदर्श बदलाव आया हैजो भारत सरकार की ओर से जारी किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से कार्यक्रम की हुई शुरूआत - कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक मंत्रालय के तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया राग अहीर भैरव" की प्रस्तुति तीन युवा बीएचयू के शोध गंगा कलाकारों द्वारा किया गया द्वितीय प्रस्तुति भरत नाट्यम का किया गया तृतीय प्रस्तुति राहुल मुखर्जी की टीम द्वारा ओडिसी नृत्य किया गया जिसमें उन्होंने वंदे मातरम् की गीत पर सुन्दर प्रस्तुति कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया` चौथी प्रस्तुति आर्य समूह की कलाकारों ने काशी के सांस्कृतिक और बाबा भोलेनाथ पर आधारित प्रस्तुति देकर सभी को भावविभोर कर दिया।

किन्नरों के साथ मनाया गया हरियाली तीज

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा हरियाली तीज के साथ नयी समिति गुलाबी समिति का कार्यक्रम शहर के एक लॉन में आयोजित किया गया,कार्यक्रम की शुरूआत भगवान शिव पार्वती जी के पूजा अर्चन किन्नर डाली और बिट्टू द्वारा किया गया, अपनी संस्कृति और परंपरा को देखते हुए सभी सुहागन औरतें एकत्रित होकर भोले बाबा के गीत गाकर अपने पति की लंबी आयु की कामना करते हुए मनाया गया जहां पर सभी सुहागन स्त्रियों ने हरे रंग का वस्त्र धारण कर अपने पति की लंबी आयु के लिए पूजन किया, सभी महिलाओं की पान खिला कर पुरानी परंपरा निभाया गया, । इस बार हरियाली तीज का पर्व इसलिए और भी अलग दिखाई दिया क्योंकि ट्रस्ट परिवार की महिलाओं ने इस बार किन्नर को भी सुहागिनों के कार्यक्रम में सम्मिलित कर चार चांद लगा दिया। किन्नरों ने भी सभी सुहागिन महिलाओं को आशीर्वाद के साथ सुहाग मे सिंदूर और चूड़ियां भी दिया। उर्वशी सिंह ने कहा कि समाज में आज भी किन्नर समुदाय को सम्मान या दर्जा नहीं दिया गया है , जो समाज में रहने वाले आम नागरिकों के पास मौजूद है। उनकी जीविका और उसका साधन नाचना,गीत गाना और दूसरों की खुशियों में शामिल होना है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष माया टंडन, पद्मिनी सिंह, रीता जायसवाल, डॉ0 अंजू, डॉ0 श्वेता सिंह, डॉ0 तूलिका,,खुशबु जायसवाल, राखी ,राधिका दीक्षा कंचन मीरा, साधना, आदि मौजूद रही।

महाविद्यालय में बायोमेट्रिक के विरोध में प्रदर्शन

जौनपुर। बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर में प्राध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने निदेशक प्रयागराज द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति के आदेश, नई पेंशन योजना का भारी विरोध किया। प्रदेश कार्यकारिणी फुपुक्टा के आवाह्न पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अलकेश्वरी सिंह, वरिष्ठ शिक्षक डॉ बृजेश कुमार मिश्र, डॉ संजय नारायण सिंह, महाविद्यालय शिक्षक संघ इकाई के पदाधिकारीगण श्री जगत नारायण सिंह, प्रकाश चंद्र कसेरा, डॉ प्रतिभा सिंह, डॉ आशुतोष पांडे, श्रीकृष्ण सिंह, सफीउल्लाह अंसारी, श्री उज्वल सिंह समेत श्री अनिल कुमार, हिमांशु कुमार एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण श्री अजय कुमार सिंह, डॉ नीलम सिंह, श्री प्रमय कुमार सिंह, श्री विनय कुमार सिंह, श्री भूपेन्द्र सिंह, श्री बफाती अली आदि उपस्थित थें।

जिले की 80 फीसदी आबादी ने खाई फाइलेरिया से बचाव की दवा, लोग हो रहे हैं जागरुक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सामूहिक दवा सेवन अभियान के तहत जन समुदाय को जागरूक कर दवा खिलाई जा रही है। यह एमडीए अभियान दस अगस्त से लगातार चल रहा है। विभागीय स्वास्थ्यकर्मी समस्त ब्लाक में दवा खाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्य भी अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने भांवरकोल और कासिमाबाद ब्लॉक में दवा सेवन से इनकार करने वाले कई परिवारों को अपने सामने दवा खिलवाई। जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि यह अभियान 28 अगस्त तक चलेगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विभागीय स्वास्थ्यकर्मी और फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्य लोगों को फाइलेरिया की गंभीरता और इससे बचाव के बारे में जागरूक कर रहे हैं। अभियान शुरू होने से पहले प्रचार-प्रसार होने की वजह से लोगों में काफी जागरूकता आई है। साथ ही समुदाय को जागरूक करने में पीसीआई और सीफार संस्था

महत्वपूर्ण सहयोग कर रही हैं। सभी ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रों में आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, कोटेदार, शिक्षक, ग्राम प्रधान आदि लोगों को दवा खाने के लिए जागरूक कर रहे है। जन जागरूकता रैली, पोस्टर, बैनर, पम्फलेट आदि प्रचार-प्रसार सामग्री से भी समुदाय को जागरूक करने में मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से अब तक जनपद में प्रथम चार दिन के लक्ष्य के सापेक्ष 79.8 फीसदी आबादी फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन कर चुकी है। जबकि दवा खाने से इनकार करने वाले 45.2 प्रतिशत लोगों को जागरूक कर दवा खिलाई जा चुकी है। डीएमओ ने बताया कि नगर व ग्रामीण के कुछ क्षेत्रों में दवा खाने को लेकर भ्रांतियां देखने को मिल रही हैं लेकिन व्यवहार परिवर्तन होने के बाद उन्होंने भी दवा का सेवन किया है। इस तरह की चुनौतियां के चलते वह स्वयं स्वास्थ्यकर्मियों के साथ संबंधित क्षेत्र में भ्रमण कर समुदाय को जागरूक कर रहे हैं। कासिमाबाद ब्लॉक के सुरवत गाँव में आशा कार्यकर्ता सुमन तिवारी और फाइलेरिया नेटवर्क सदस्य परवरदिगार फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाने के लिए वहाँ पहुंचे तो कुछ परिवार के सदस्यों ने दवा खाने से इनकार कर दिया। उनके मन में यही सवाल था कि जब हमें कोई बीमारी नहीं है तो हम यह दवा क्यों खाएं? इसके बाद आशा सुमन और सदस्य परवरदिगार ने उन्हें काफी समझाया कि यह ऐसी बीमारी है जिसके लक्षण पांच से 15 साल में दिखते हैं। यदि हम लगातार पाँच साल तक साल में एक बार दवा का सेवन करेंगे तो सभी लोग इस बीमारी से बचे रहेंगे। यह दवा पूरी तरह से सुरक्षित है। भविष्य में किसी को यह बीमारी न हो, इसके लिए यह दवा खिलाई जा रही है। इसके अलावा सादात ब्लॉक के जगदीशपुर, नगर के मुस्तफाबाद क्षेत्र, भांवरकोल के शेरपुर में दवा खाने से इनकार करने वालों को जागरूक कर दवा खिलाई गई। इसके अलावा बृहस्पतिवार को मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य सहित विकास भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने दवा का सेवन किया। सीडीओ ने अपील की है कि आशा कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कर्मी दवा खिलाने घर पर आएं तो दवा खाने से इनकार न करें, उनके सामने ही दवा खाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने भी अपील की है कि फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है। एमडीए दवा सेवन से ही इसका बचाव किया जा सकता है। बिना किसी डर या भ्रांति के दवा का सेवन करें। यह दवा पूरी तरह से सुरक्षित है।

सर्विक्स कैंसर

के लक्षणों को न करें नजरअंदाज

डा. मो. सुहेल
कैंसर रोग विशेषज्ञ
सहारा हास्पिटल

सहारा हास्पिटल के कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. मो. सुहेल ने बताया है कि गर्भाशय का ये कैंसर तब होता है जब कोशिकाएं गर्भाशय ग्रीवा (प्रवेश द्वार) के अस्तर में असामान्य रूप से विकसित होती हैं। इस कैंसर के प्रमुख कारणों में सबसे मुख्य कारण एचपीपी वायरस का संक्रमण है।

लखनऊ। बच्चेदानी के मुंह का कैंसर (सर्विक्स कैंसर) स्तन कैंसर के बाद भारतीय महिलाओं में पाया जाने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है और इसी बीमारी के चलते महिलाओं की सबसे ज्यादा मौतें होने की आशंका होती है। इसके शुरुआती लक्षणों को पहचानना जरूरी है ताकि समय रहते इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सके। यह जानकारी सहारा हास्पिटल के कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. मो. सुहेल ने दी। उन्होंने बताया कि गर्भाशय का ये कैंसर तब होता है जब कोशिकाएं गर्भाशय ग्रीवा (प्रवेश द्वार) के अस्तर में असामान्य रूप से विकसित होती हैं। जो निचले गर्भाशय की गर्दन या संकीर्ण हिस्सा होता है। कम उम्र में कई यौन संबंध होने या अधिक यौन सक्रिय होने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के विकास की संभावना बढ़ जाती है। कैंसर के लक्षण जल्दी पता लगने पर जीवित रहने की संभावना ज्यादा होती है, इसलिए डॉक्टर एक निवारक उपाय के रूप में पैप स्मीयर जांच करवाने की सलाह दे सकते है। यदि महिला यौन संबंध में सक्रिय हो चुकी है तो स्क्रीनिंग 21 वर्ष की आयु से प्रारम्भ की जा सकती है। 21 वर्ष से 29 वर्ष की आयु में प्रति तीन वर्ष में ये जांच की जाती है। 30 से 65 वर्ष की आयु में भी प्रति तीन वर्षों में एक बार जांच की जाती है।

उन्होंने बताया कि इस कैंसर के प्रमुख कारणों में सबसे मुख्य कारण एचपीपी वायरस का संक्रमण है।

सर्विक्स कैंसर के मुख्य लक्षणों में योनि से खून या अनियमित सफेद पानी का आना और यौन संबंध के बाद खून का आना प्रमुख हैं। इसके साथ ही पेट के निचले हिस्से और कमर में दर्द, योनि से बदबूदार गाढ़े पानी का स्राव, पीरियड से पहले और बाद में रक्तस्राव और यौन गतिविधि के दौरान असुविधा का अनुभव होता है। इसके इलाज के लिए सर्जरी, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी का विकल्प चुना जा सकता है।

सहारा इंडिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार श्री अनिल विक्रम सिंह जी ने बताया कि हमारे माननीय अभिभावक सहाराश्री जी ने सभी आयु व सभी वर्गों के प्रति अपनी दूर दृष्टि से विश्वस्तरीय सहारा हॉस्पिटल का निर्माण करवाया है। यहां 50 से अधिक विभाग हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित सभी बीमारियों का इलाज यहां उपलब्ध है। संबंधित रोग के संबंध में ओपीडी की जानकारी के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर-0522-6780001/0002, एवं 9 बजे से 5 बजे तक 0522-6782146 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

क्या है लक्षण सर्विक्स कैंसर के मुख्य लक्षणों में योनि से खून या बदबूदार सफेद पानी का अनियमित आना, पेट के निचले हिस्से और कमर में दर्द, पीरियड से पहले और बाद में रक्तस्राव और यौन गतिविधि के दौरान असुविधा का अनुभव होता है।

कैसे पता लगाएं चिकित्सक पैप स्मीयर जांच करवाने की सलाह दे सकते हैं। यदि महिला यौन संबंध में सक्रिय हो चुकी है तो स्क्रीनिंग 21 वर्ष की आयु से प्रारम्भ की जा सकती है। 21 वर्ष से 29 वर्ष की आयु और उसके बाद प्रति तीन वर्ष में ये जांच की जाती है।

कैसे होता है इलाज इसके इलाज के लिए सर्जरी, रेडियोथेरेपी या कीमोथेरेपी का विकल्प चुना जा सकता है।

ब्रिटिश संग्रहालय से वस्तुएं गायब, कर्मचारी बर्खास्त

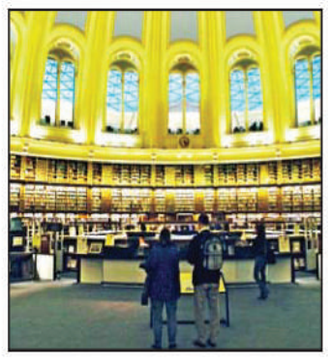

■ लंदन (आईएएनएस)।

लंदन में ब्रिटिश संग्रहालय ने सोने-चांदी के आभूषणों और कीमती पत्थरों के रत्नों सहित अन्य वस्तुएं लापता होने पर स्टाफ के एक सदस्य को बर्खास्त कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। संग्रहालय के निदेशक हार्टविग फिशर ने एक बयान में कहा कि संग्रहालय वस्तुओं की बरामदगी की कोशिश करेगा। बयान में फिशर के हवाले से कहा गया, हमने अपनी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और गायब वस्तुओं का एक निश्चित लेखा-जोखा करने के लिए हम विशेषज्ञों के साथ काम कर रहे हैं। संग्रहालय के अनुसार, 15वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 19वीं शताब्दी ईस्वी तक की कोई भी गायब वस्तु हाल ही में प्रदर्शित नहीं की गई थी और मुख्य रूप से शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए रखी गई थी। यूके के सबसे बड़े पर्यटक आकर्षणों में से एक, ब्लूम्सबरी स्थित संग्रहालय में हर साल लाखों लोग आते हैं।

ब्रिटनी स्पीयर्स के पति ने तलाक के लिए अर्जी दी

लॉस एंजेल्स (एपी)। अमेरिकी पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स के पति सैम असगरी ने तलाक के लिए अर्जी दी है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी ब्रिटनी स्पीयर्स और असगरी की शादी 14 महीने पहले हुई थी। असगरी के करीबी एक व्यक्ति ने इस बात की पुष्टि की कि तलाक के लिए अर्जी बुधवार को दाखिल की गई है। इससे पहले 'टीएमजेड' और 'पीपुल' सहित कई मीडिया संगठनों ने खबर दी थी कि स्पीयर्स और असगरी अलग हो गये हैं। स्पीयर्स से तत्काल इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटी में अदालत के रिकॉर्ड से यह पता नहीं चला है कि मामला कहां दायर किया गया ।

गुरु की धरती को नमन करने झारखंड पहुंचे रजनीकांत

रांची (आईएएनएस)। साउथ के सुपर स्टार रजनीकांत अपनी फिल्म जेलर की अपार सफलता के बाद अपने आध्यात्मिक गुरु की धरती को नमन करने रांची पहुंचे। रजनीकांत की गुरु परमहंस योगानंद पर गहरी आस्था है। उन्होंने रांची में योगदा आश्रम की स्थापना की थी। यहां योगदा सत्संग सोसायटी का मुख्यालय भी है। रजनीकांत ने मंगलवार शाम को रांची में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने हैंडल के जरिए उनसे मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। राधाकृष्णन ने लिखा, अपने मित्र, भारत के महान अभिनेताओं में से एक तथा एक शानदार इंसान रजनीकांत से मिलकर आह्लादित हूं। राजभवन में उनसे सद्भावना मुलाकात हुई। झारखंड की धरती पर उनका स्वागत है। रजनीकांत के रांची आने की जानकारी बेहद गोपनीय रही।

अच्छी खबर यह है : ब्रिटेन के लोगों को 2050 तक स्वीडन नहीं जाना पड़ेगा।

बुरी खबर है पहले ही जानलेवा गर्मी है जो बदतर होती जा रही है और जल्द ही एक बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। गर्मी चुपचाप लोगों की जान ले रही है और यह अन्य किसी प्राकृतिक आपदा के मुकाबले अधिक संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार है। हाल के दशकों में यूरोप में भीषण गर्मी ने हजारों लोगों की जान ली है।

किचन गार्डन में उगाए 250 किलो टमाटर, पड़ोसियों को भी बांटे

■ लखनऊ (आईएएनएस)।

उनका घर पिछले एक महीने से मालिक के लिए गर्व और देखने वालों के लिए ईर्ष्या का विषय बना हुआ है। जब टमाटर 250 रुपये प्रति किलो बिक रहे थे, तब वी.के. पांडेय खुद के उगाये टमाटर खा रहे थे। गोमती नगर में उनके तीन मंजिला घर में उनका किचन गार्डन टमाटरों से भरा हुआ है और पांडे उदारतापूर्वक अपने पड़ोसियों को भी टमाटर खिला रहे हैं।

वह गर्व से कहते हैं, नवम्बर से मैंने लगभग 250 किलोग्राम टमाटर उगाए हैं और अपने दोस्तों और पड़ोसियों में बांटे हैं। एक कीटनाशक कंपनी में काम करने वाले पांडे ने 1992 में 25 गमलों से शौकिया खेती शुरू की थी। पिछले 31 साल में उनके छत के बगीचे का विस्तार पड़ोसी की छत तक हो गया है और यहां तक कि पड़ोस के पार्क तक में नींबू, अंगूर, अनार, संतरे, सेब, केले और बड़ी संख्या में आम के पेड़ भी उन्होंने लगाये हैं। वह लौकी, बैंगन, पपीता, एलोवेरा, बरगद, पीपल के अलावा और भी बहुत कुछ उगाते हैं। वह ग्रो बैग्स, खाली ड्रमों और फूलों के गमलों में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों और औषधीय प्रजातियों सहित लगभग 1,000 पौधों का पालन-पोषण करते हैं। हालांकि पांडेय एक कीटनाशक कंपनी में काम करते हैं, लेकिन वह ऑर्गेनिक फसलें उगाते हैं। वह तालाब और खेत की मिट्टी को गाय के गोबर के साथ मिलाकर विशिष्ट मिट्टी तैयार करते हैं। गर्मियों में दिन में दो बार और सर्दियों में एक बार पानी देते हैं।

रखरखाव पर उन्हें अपनी जेब से प्रति माह 12,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने पौधों को नियमित रूप से पानी देने के लिए एक व्यक्ति को काम पर रखा है। उनके बगीचे में बहुत सारे पक्षी आते हैं। कुछ उत्पाती बंदर भी आते हैं, लेकिन पड़ोसियों को इससे शिकायत नहीं है क्योंकि वे हर सुबह अपने दरवाजे पर आने वाली खेत की ताजा सब्जियों की टोकरी का इंतजार करते हैं।

प्रीतो के बाद दीदुन को भी दर्शकों का प्यार मिला : काम्या

नई दिल्ली (आईएएनएस)। 'प्रीतो' के अपने किरदार के लिए फेमस टेलीविजन अभिनेत्री काम्या पंजाबी इन दिनों 'नीरजा-एक नई पहचान' में 'दीदुन' की भूमिका निभा रही है। जो कोलकाता के सबसे बड़े रेड लाइट एरिया की महारानी हैं। अभिनेत्री के इस किरदार को भी काफी पसंद किया जा रहा है। मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। शो में अयूब खान, काम्या पंजाबी, स्नेहा वाघ, राजवीर सिंह, आस्था शर्मा हैं।

गर्मी ने मानव अस्तित्व को खतरे में डाला

सिडनी (360 इंफो)। गर्मी हर साल हजारों लोगों को चुपचाप निगलती जा रही है और थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। उत्तरी गोलार्द्ध में अत्यधिक गर्मी को लेकर मीडिया की रिपोर्टिंग स्पष्ट है : रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने मानव अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। एक अनुमान है कि 'ब्रिटेन में अगले तीन दशक अत्यधिक गर्म हो सकते हैं' जो निश्चित तौर पर 97 प्रतिशत मानवता के लिए चिंता का विषय है जो ब्रिटेन के मुकाबले अधिक गर्मी वाले स्थानों पर रहते हैं।

विकासशील देशों में मृतकों की संख्या की उचित तरीके से गिनती नहीं की गयी है और संभवतः मृतकों की संख्या कहीं अधिक है। लेकिन कुछ इससे भी बुरा होने वाला है और हमें इसके लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। अब पृथ्वी पर औसत सतह तापमान सर्वोच्च स्तर पर है। ह्वल में पड़ी भीषण गर्मी वैश्विक ताप वृद्धि के निशान छोड़ती है जो बाढ़ या सूखे जैसे जलवायु परिवर्तन के किसी भी असर से कहीं ज्यादा है। चिंता की बात यह है कि जब तक हम शून्य कार्बन उत्सर्जन के स्तर तक नहीं पहुंच जाते, तब तक वैश्विक ताप वृद्धि जारी रहेगी।

हमारे शरीर की गर्मी सहने की एक सीमा है। 2010 में एक अनुसंधान से पता चलता है कि 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक के 'वेट-बल्ब' तापमान से हमारे शरीर के निश्चित तापमान के कारण मनुष्यों के लिए चयापचयी ऊष्मा को खत्म करना असंभव हो जाता है। वेट-बल्ब तापमान वाष्पीकरण के जरिए ठंडा करने की क्षमता को मापता है। यदि सापेक्षिक आर्द्रता 100 प्रतिशत है तो यह सामान्य तापमान के बराबर हैं वरना यह कम है। 35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम वेट-बल्ब तापमान है, ज्यादातर स्थानों पर पृथ्वी ने कभी 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक वेट बल्ब का अनुभव नहीं किया।

गर्मी हमें अपनी जीवनशैली बदलने के लिए मजबूर करेगी। उदाहरण के लिए गर्मी के वक्त बाहर की गतिविधियां केवल रात में ही की जा सकेंगी या पूरी तरह खत्म हो जाएंगी।सिडनी विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता गर्मी चेतावनी प्रणाली विकसित कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि हमारे पास जल्द ही शरीर क्रिया विज्ञान पर भीषण गर्मी के असर की साफ तस्वीर होगी। हमें यह भी समझने की आवश्यकता है कि प्रकृति के साथ क्या होगा और हमें वन्यजीव की रक्षा करने के तरीके तलाशने होंगे। इन सबसे बढ़कर हमें जल्द से जल्द शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की आवश्यकता है।

हरा-भरा हो सकता है थार रेगिस्तान

■ नई दिल्ली (भाषा)।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण भारत के थार रेगिस्तान में भारी परिवर्तन देखने को मिल सकता है और यह सदी के अंत तक हरा-भरा क्षेत्र बन सकता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में शामिल शोधकर्मियों के अनुसार तापमान बढ़ने के साथ ही दुनियाभर के कई रेगिस्तानों का और विस्तार होने का अनुमान है वहीं थार रेगिस्तान में इससे उलट रुख देखने को मिल सकता है और इस सदी के अंत तक यह हरे-भरे क्षेत्र में तब्दील हो सकता है।

तापमान बढ़ने के साथ ही दुनियाभर के कई रेगिस्तानों का और विस्तार होने का अनुमान

थार रेगिस्तान राजस्थान के अलावा पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांतों में फैला है। यह 2,00,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है। यह दुनिया का 20वां सबसे बड़ा रेगिस्तान और नौवां सबसे बड़ा गर्म उपोष्णकटिबंधीय रेगिस्तान है। कई अध्ययनों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पृथ्वी के रेगिस्तानों के बढने का दावा किया गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सहारा रेगिस्तान का आकार 2050 तक सालाना 6,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक बढ़ सकता है। नया अध्ययन 'अर्थ्स फ्यूचर' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, जिसमें थार रेगिस्तान के संबंध में अप्रत्याशित पहलू का जिक्र किया गया है। शोधकर्ताओं के दल ने कई अवलोकनों और जलवायु मॉडल 'सिमुलेशन' को मिला कर उनका अध्ययन किया और पाया कि वर्ष 1901 से 2015 के बीच भारत और पाकिस्तान के अर्ध-शुष्क उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में औसत वर्षा 10-50 प्रतिशत तक बढ़ी है।

उनका कहना है कि मध्यम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की हालत में भी इस वर्षा के 50-200 प्रतिशत तक बढ़ने के आसार हैं। अध्ययन से पता चलता है कि भारतीय मानसून का बदलाव भारत के पश्चिम और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में शुष्क स्थितियों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है। अध्ययन में शामिल, गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के बी.एन. गोस्वामी के अनुसार भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून की गतिशीलता को समझना यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन थार रेगिस्तान को कैसे हरा-भरा कर सकता है।

सर्कस उद्योग को बचाने की जरूरत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कलाबाजी की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण सर्कस के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने गंगाधरन ने अपने हुनर के दम पर ममूटी, कमल हसन, मिथुन चक्रवर्ती जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ फिल्मों में भी काम किया, जिसका जिक्र वह बहुत गर्व से करते हैं। तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध पुथरीकंदम मैदान में चल रहे जंबो सर्कस के कलाकार गंगाधरन इससे पहले जेमिनी सर्कस के साथ थे। वह पिछले 35 वर्षों से भी अधिक समय से इस व्यवसाय में हैं। गंगाधरन जैसे कई लोगों के खून, पसीने और आंसुओं से बना सर्कस उद्योग अब चरमरा रहा है। कभी भारी भीड़ को आकर्षित करने वाले इस सबसे बड़े "लाइव शो" की स्थिति आज पहले से बिल्कुल उलट है।

इस चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक पेशे में शामिल होने के लिए कोई नया कलाकार नहीं आ रहा है। इसकी एक वजह यह भी है कि अब सर्कस में जानवरों की प्रदर्शनी और बच्चों के कलाबाजी प्रशिक्षण पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। जंबो सर्कस के एक पूर्व ट्रैपीज कलाबाज और प्रशिक्षक रवीन्द्रन (87) का कहना है कि यह उद्योग लंबे समय तक नहीं चल सकता। हमारे पास प्रदर्शन के लिये प्रशिक्षित बच्चे नहीं हैं और जल्द ही मौजूदा कलाकार सेवानिवृत हो जाएंगे। हमारे पास नई तरकीबें सीखने के लिये कोई नहीं है, प्रदर्शन के लिये कोई जानवर भी नहीं है।रवीन्द्रन 87 वर्ष की उम्र में भी जंबो सर्कस में काम कर रहे हैं।

अपने अस्तित्व के लिये संघर्ष कर रहा यह उद्योग अब सरकार से मदद मांग रहा है, ताकि इस उद्योग को अपना जीवन समर्पित करने वाले रवीन्द्रन जैसे सैकड़ों कलाकारों और प्रभावित परिवारों की गुजर-बसर हो सके। जेमिनी सर्कस और जंबो सर्कस के मालिक अजय शंकर ने इस उद्योग को बचाए रखने के लिये सरकारी हस्तक्षेप की मांग की।अजय शंकर ने कहा, 'हम कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन में तीन साल तक परेशान हुए। लेकिन मैं नहीं रुका क्योंकि सर्कस पर 200 से अधिक परिवार निर्भर हैं।'

संक्षिप्त खबरें

कोलियर्स के नए सीईओ

नई दिल्ली। रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने तत्काल प्रभाव से बादल याग्निक को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। रमेश नायर ने मार्च में कंपनी के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। नायर जुलाई 2021 से कोलियर्स इंडिया के सीईओ थे। सैंकी प्रसाद वर्तमान में कोलियर्स इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं।'

रिन्यूबाय ने पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। इंश्योरटेक की दिग्गज, रिन्यूबाय ने जापान की प्रमुख बीमा कंपनी डाईची लाइफ होल्डिंग्स इंक. से सीरीज डी फंडिंग राउंड में 40 मिलियन अमेरिकी डालर की पूंजी जुटाने का काम पूरा कर लिया है। यह दौर कंपनी के मौजूदा सीरीज डी फंड राउंड का हिस्सा है, जो कई अन्य प्रमुख निवेशकों का ध्यान आकर्षित करने में सफल रहा है और जल्द ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। फंड जुटाए जाने के बारे में रिन्यूबाय के सीईओ बालाचंदर शेखर ने कहा, 'रिन्यूबाय ने सात वर्षों में सलाहकारों को डिजिटल रूप से बीमा की पेशकश करने में सशक्त बनाया है।

सनफीस्ट की नई पहल

नई दिल्ली। आईटीसी के सनफीस्ट डार्क फैंटेसी ने अपने ब्रांड के नए चेहरे के रूप में 'किंग ऑफ फैंटेसी' शाहरुख खान के साथ एक नई रोमांचक यात्रा शुरु करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि डार्क फैंटेसी ने अपनी नई ब्रांड पेशकश 'डार्क फैंटेसी- हर दिल की फैंटेसी' जारी की है। इस मौके पर कंपनी के सीओओ, बिस्किट्स एंड केक क्लस्टर अली हैरिस शेरे ने कहा 'हम किंग ऑफ बॉलीवुड शाहरुख खान को डार्क फैंटेसी का चेहरा बनाते हुए बेहद उत्साहित हैं। एफसीबी उल्का के नेशनल क्रिएटिव डिरेक्टर रोमी नायर ने भी शाहरुख और डार्क फैंटेसी के बीच भागीदारी पर खुशी जताई है।

सोयाबीन ऑयल नए पैक में

नई दिल्ली। हिमानी बेस्ट चॉइस ने अपने रिफाइंड सोयाबीन ऑयल वैरिएंट को एक बिलकुल नए पैक डिजाइन में पेश किया है। हिमानी बेस्ट चॉइस का उत्पादन और बिक्री इमामी एग्रोटेक लिमिटेड द्वारा की जाती है। इस बारे में, श्री देबासीस भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट-मार्केटिंग, इमामी एग्रोटेक लिमिटेड का कहना है, 'हर सफल ब्रैंड को उपयोगी और प्रासंगिक बने रहने के लिए बदलाव करते रहने की जरूरत होती है। ग्राहकों की बदलती पसंद को पूरा करने के लिए, किसी भी ब्रैंड के लिए उनसे सही कनेक्ट बनाना और उनके अनुसार खुद को बदलना महत्वपूर्ण है।

रुपया दो पैसे टूटा

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 83.10 (अस्थायी) प्रति डालर के निचले स्तर पर बंद हुआ। इस गिरावट का कारण विदेशों में डालर का मजबूत होना और घरेलू बाजार का नकारात्मक रुख है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.10 पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 82.99 के उच्चस्तर और 83.16 के निचले स्तर को छूने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव से दो पैसे टूटकर 83.10 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ।

निवेश करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) कम कार्बन उत्सर्जन वाली कंपनी बनने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही है। इसके तहत वह नवीकरणीय और हरित हाइड्रोजन समेत पर्यावरण अनुकूल माने जाने वाले ऊर्जा क्षेत्र में इस दशक के अंत तक एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी। देश की सबसे बड़ी कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक कंपनी ने कहा कि उसने कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की है।

श्रीलंका को मदद देगा चीन

कोलंबो। चीन ने आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को ऋण चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद का आश्वासन दिया है। चीन ने यह आश्वासन ऐसे समय में दिया है, जब देश को सितम्बर तक अपने बाहरी और घरेलू ऋण पुनर्गठन को अंतिम रूप देना है। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस साल मार्च में दिए गए 2.9 अरब डालर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा करेगा। आईएमएफ 11-19 सितम्बर को यह समीक्षा करेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।(एजेंसी)

अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में आ रही तेजी

■ महंगाई लगातार केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर 6% से ऊपर बनी हुई है

मुंबई (भाषा)। देश की अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में तेजी आ रही है। हालांकि, महंगाई लगातार केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में यह कहा गया है। मुख्य रूप से टमाटर समेत सब्जियों और अन्य खाने का सामान महंगा होने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में उछलकर 7.44 प्रतिशत पहुंच गई, जो इससे पिछले महीने में 4.87 प्रतिशत थी। बुलेटिन में लिखा गया है, 'जहां मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति में नरमी है, वहीं खुदरा महंगाई दर दूसरी तिमाही में औसतन छह प्रतिशत से ऊपर रहने की आशंका है।' मुख्य मुद्रास्फीति में अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली खाद्य और ऊर्जा कीमतों को शामिल नहीं किया जाता।

केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत (दो से छह प्रतिशत के बीच) पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। लेख में यह भी कहा गया है कि औद्योगिक उत्पादन और व्यापार में नरमी से पहली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद वैश्विक पुनरुद्धार धीमा हो रहा है। इसमें लिखा गया है, 'वैश्विक माहौल में दबाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की दूसरी तिमाही में गति पकड़ रही है।' निर्यात के कारण जो गिरावट है, उसकी भरपाई निजी खपत और स्थिर निवेश जैसे घरेलू कारक कर रहे हैं।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले सप्ताह पेश द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिये आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान बरकरार रखा है। इसका कारण यह है कि विदेशों में मांग कमजोर होने के बावजूद घरेलू मांग के कारण आर्थिक गतिविधियां जारी हैं। हालांकि, हाल में खाने के सामान के दाम चढ़ने से मुद्रास्फीति के अनुमान को 0.3 प्रतिशत बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया गया है। लेख के अनुसार, 14 अगस्त तक खाद्य वस्तुओं की कीमतों के जो आंकड़े हैं, वे बताते हैं कि अनाज और दाल के दाम में अगस्त में लगातार तेजी रही है। खाद्य तेल के दाम में जुलाई-अगस्त में गिरावट आई। वहीं टमाटर के दाम में अगस्त में अबतक औसतन तेजी रही है। हालांकि, ताजा आंकड़े बताते हैं कि कीमतों में कुछ नरमी आ रही है। प्याज और आलू के दाम में भी तेजी देखी जा रही है।

आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित इस लेख को केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने लिखा है। रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि लेख में जो विचार दिये गये हैं, वह लेखकों के हैं और वह आरबीआई के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

जीएसटीएन ने शुरू की नए प्रबंधित सेवा प्रदाता की तलाश

नई दिल्ली (भाषा)। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने जीएसटी को प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए नए प्रबंधित सेवा प्रदाता (एमएसपी) की तलाश शुरू कर दी है। इंफोसिस का प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने का अनुबंध सितम्बर 2024 में समाप्त होने वाला है।

परामर्श कंपनी को प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया और जीएसटीएन की आईटी सेवा का किसी अन्य प्रौद्योगिकी कंपनी में निर्बाध स्थानांतरण सुनिश्चित करना होगा। ऐसी कंपनी जो एक अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले अगले सात वर्षों तक जीएसटी प्रणालियों के लिए आवश्यक साफ्टवेयर और ह्यर्डवेयर प्रदान करेगी।

भारत में जीएसटी एक जुलाई 2017 को लागू किया गया था। इसे लागू करने से पहले सितंबर 2015 में इंफोसिस को जीएसटी नेटवर्क के लिए प्रौद्योगिकी का निर्माण करने का काम सौंपा गया था। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा, 'जीएसटी प्रणाली के विकास, संवर्द्धन व संचालन के लिए वर्तमान प्रबंधित सेवा प्रदाता (एमएसपी) के अनुबंध की अवधि पूरी होने वाली है।

जीएसटीएन एक अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले सात वर्षों के अगले कार्यकाल के दौरान जीएसटी प्रणाली के संचालन के लिए एमएसपी नियुक्त करने के वास्ते बोली लेना चाहता है।' बोली दाखिल करने की अंतिम तारीख पांच सितंबर है।

जीवन बीमा पर पांच लाख रुपए से ज्यादा का प्रीमियम दिया तो होगी टैक्स वसूली

■ जीवन बीमा से प्राप्त आय की गणना के नियम तय

■ जीवन बीमा पालिसी पर कर छूट तभी मिलेगी जब सालाना प्रीमियम पांच लाख रुपए से कम हो

■ पांच लाख से ज्यादा प्रीमियम अदा किए जाने पर पालिसी से मिली आमदनी को व्यक्ति की आय में जोड़ा जाएगा और उस पर स्लैब के हिसाब से लगेगा टैक्स

नई दिल्ली (भाषा)। आयकर विभाग ने पांच लाख रुपए से अधिक के वार्षिक प्रीमियम होने की स्थिति में जीवन बीमा पालिसी से प्राप्त आय की गणना के लिए नियम तय किए हैं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम (सोलहवां संशोधन), 2023 को अधिसूचित किया है। इसमें जीवन बीमा पालिसी की परिपक्वता पर प्राप्त राशि के संबंध में आय की गणना के लिए नियम 11यूएसीए निर्धारित किया गया है। यह प्रावधान उन बीमा पालिसी के लिए है जिसमें प्रीमियम राशि पांच लाख रुपए से अधिक है और ऐसी पालिसी एक अप्रैल 2023 या उसके बाद जारी की गई हैं।

संशोधन के अनुसार, एक अप्रैल 2023 को या उसके बाद जारी की गई पालिसी के लिए धारा 10(10डी) के तहत परिपक्वता लाभ पर कर छूट केवल तभी लागू होगी, जब किसी व्यक्ति की तरफ से भुगतान किया गया कुल प्रीमियम सालाना पांच लाख रुपए तक हो। इस सीमा से अधिक प्रीमियम के लिए प्राप्त राशि को आय में जोड़ा जाएगा और लागू दर के हिसाब से कर लगाया जाएगा।

यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) को छोड़कर जीवन बीमा पालिसियों के संबंध में कर प्रावधान में बदलाव की घोषणा वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में की गई थी। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के संयुक्त भागीदार (कारपोरेट और अंतर्राष्ट्रीय कर) ओम राजपुरोहित ने कहा कि फार्मूले के अनुसार, परिपक्वता पर प्राप्त कोई भी अधिशेष राशि पर 'अन्य स्रोतों से आय' की श्रेणी के अंतर्गत कर लगेगा।

सेंसेक्स 388 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर बृहस्पतिवार को विराम लग गया और बीएसई सेंसेक्स लगभग 388 अंक के नुकसान में रहा।

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 388.40 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,151.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 493.32 अंक तक नीचे आ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,365.25 अंक पर बंद हुआ।

जियो जीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख का असर घरेलू बाजार पर पड़ा और बिकवाली दबाव लगातार बना रहा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की पिछली बैठक का जो ब्योरा जारी हुआ है, उसमें आगे नीतिगत दर में वृद्धि को लेकर सदस्यों के बीच आम सहमति नही है और उनका रुख अलग-अलग है। यह पूर्व में नीतिगत दर में वृद्धि पर रोक लगाने के रुख के उलट है।' सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी सबसे ज्यादा 2.04 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और जेएसडब्ल्यू स्टील में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल शामिल है। बीएसई स्मालकैप सूचकांक 0.19 प्रतिशत मजबूत हुआ जबकि मिडकैप में 0.06 प्रतिशत की बढ़त रही।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, 'अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का ब्योरा सामने आने के बाद वैश्विक बाजारों में ज्यादातर में गिरावट का रुख रहा। इससे नीतिगत दर में आगे और वृद्धि नहीं होने की उम्मीद को झटका लगा है। इसके अलावा, चीन में सुस्त आर्थिक वृद्धि में पुनरुद्धार को लेकर आशंका से भी बाजार पर असर पड़ा है।'

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को नुकसान में रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने 722.76 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

डीजीसीए ने ताशकंद के लिए इंडिगो की उड़ान सेवाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली (भाषा)। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद के लिए इंडिगो की उड़ानों को मंजूरी दे दी है। एयरलाइन ने बुधवार को घोषणा की कि वह ताशकंद के लिए 22 सितम्बर से सेवाएं शुरू करेगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि नियामक ने छह सितम्बर से इंडिगो के ताशकंद तक परिचालन को मंजूरी दे दी है। इंडिगो दिल्ली और ताशकंद के बीच सप्ताह में चार बार सीधी सेवाएं संचालित करेगी। यह एयरलाइन का 31वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य होगा।

'डार्क पैटर्न' से निपटने को सरकार तैयार

■ इसके खतरों से बचाव के सुझाव देने वाले कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली (भाषा)। ऑनलाइन 'डार्क पैटर्न' के खतरे से निपटने के तरीके सुझाने के लिए गठित कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय इस पर विचार कर रहा है।

'डार्क पैटर्न' लोगों को ऑनलाइन धोखा देने या उनकी पसंद में हेरफेर करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति है। इस कार्यबल का गठन 28 जून को किया गया था। उसने 14 अगस्त को नोडल उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को दिशानिर्देशों का मसौदा सौंपा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'मंत्रालय दिशानिर्देशों के मसौदे पर गौर कर रहा है और जल्द ही इस संबंध में जानकारी दी जाएगी।' मसौदे में कार्यबल ने स्पष्ट रूप से 'डार्क पैटर्न' को परिभाषित किया है कि यह उपभोक्ता हितों के खिलाफ है और ऑनलाइन मंचों द्वारा इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसमें 'डार्क पैटर्न' के विभिन्न प्रकार को भी वर्गीकृत किया गया है जिनका विभिन्न ई-मंच पर इस्तेमाल किया जाता है।

अमेजन, फ्लिपकार्ट, गूगल, मेटा, ओला कैब्स, स्विगी, ज़ोमैटो, शिप रॉकेट, गो-एमएमटी और नैसकॉम के प्रतिनिधि कार्यबल का हिस्सा हैं। सभी ने विस्तृत चर्चा के बाद मसौदे को अंतिम रूप दिया है। अधिकारी ने कहा, 'इस समस्या से निपटने के लिए पूरा उद्योग एकसाथ है।' अभी 'डार्क पैटर्न' भ्रामक विज्ञापनों के तौर पर नजर आते हैं।

गुरुग्राम में महंगे अपार्टमेंट में घरों का किराया 28 फीसद बढ़ा

■ जबरदस्त मांग और सीमित आपूर्ति के कारण किराए में दर्ज की गई है यह बढ़ोतरी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम में महंगे अपार्टमेंट में घरों का औसत किराया 2023 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़ गया है।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी सैविल्स इंडिया ने कहा कि यह वृद्धि भारी मांग, सीमित आपूर्ति के कारण हुई है।

सैविल्स इंडिया की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, 'गुरुग्राम में सभी बाजारों में किराए में सालाना आधार पर औसतन 28 प्रतिशत वृद्धि हुई है। सर्वाधिक वृद्धि जीसीईआर (गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड) एंड एसपीआर (सदर्न पेरिफेरल रोड) में 33 प्रतिशत और गोल्फ कोर्स रोड पर 31 प्रतिशत की हुई है।' रिपोर्ट के अनुसार, यह ज्यादातर आंकड़े गोल्फ कोर्स रोड पर तीन और चार बीएचके और अन्य छोटे बाजारों में तीन बीएचके के लिए हैं।

कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के लिए सैविल्स के आंकड़ों के अनुसार, गोल्फ कोर्स रोड पर मासिक औसत किराया 1,95,941 रुपए है, वहीं गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड एंड सदर्न पेरिफेरल रोड पर मासिक औसत किराया 1,01,000 रुपए है। न्यू गुरुग्राम में औसत किराया 47,100 रुपए जबकि द्वारका एक्सप्रेसवे पर यह 40,071 रुपए मासिक है।

किराया वृद्धि पर सैविल्स इंडिया की प्रबंध निदेशक (आवासीय सेवा) श्वेता जैन ने कहा कि बाहर आकर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा गुरुग्राम और नोएडा में हैं और ये घर खरीदने से ज्यादा किराये पर रहने को वरीयता देते हैं।

जीडीपी में डिजिटल इकोनामी का बढ़ेगा हिस्सा

बेंगलुरु (भाषा)। केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

चंद्रशेखर ने यहां 'जी-20 डिजिटल नवोन्मेष गठबंधन शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक प्रमुख देश है जिसने प्रौद्योगिकी को बहुत तेजी से अपनाया है और अब इसने दुनिया को समाधान पेश करना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'डिजिटल अर्थव्यवस्था का जीडीपी में योगदान 2014 में चार से साढ़े चार प्रतिशत था, जो आज 11 प्रतिशत हो गया है। और हमारा अनुमान है कि 2026 तक

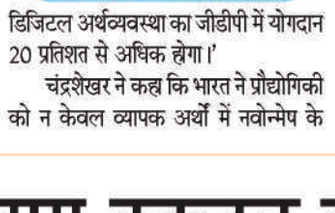

डिजिटल अर्थव्यवस्था का जीडीपी में योगदान 20 प्रतिशत से अधिक होगा।'

चंद्रशेखर ने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी को न केवल व्यापक अर्थों में नवोन्मेष के लिए, बल्कि वास्तविक समाधान देने के लिए भी अपनाया है। इससे पिछले कुछ साल में लोगों के जीवन, संचालन व्यवस्था और लोकतंत्र में बदलाव आया है।'

डिजिटल प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग के दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने आने वाले दशक को प्रौद्योगिकी का दशक कहा है। चंद्रशेखर ने कहा, "कई मायनों में हमारे प्रधानमंत्री ने युवा भारतीयों को प्रोत्साहित किया कि 'इंडिया टेकेड' का निर्माण और डिजाइन देश तथा दुनिया भर के युवा स्टार्टअप के दृढ संकल्प, ऊर्जा और रचनात्मकता के जरिए सृजित होगा।'

आईनॉक्स विंड ने कर्ज चुकाने को किया निवेश

नई दिल्ली (भाषा)। आईनॉक्स विंड लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने कर्ज चुकाने के लिए कंपनी में 500 करोड़ का निवेश किया है।

कंपनी ने बताया कि शेयर बाजार में उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने आईनॉक्स विंड के इक्विटी शेयर की बिक्री से धन जुटाया। आईनॉक्स विंड के सीईओ कैलाश ताराचंदानी ने कहा कि आईडब्ल्यूएल के प्रवर्तकों के नेतृत्व में हाल ही धन जुटाने की पहल और उसके बाद पूंजी निवेश ने हमारी वित्तीय स्थिति को काफी हद तक मजबूत किया है।

उच्च शिक्षा के लिए सौ करोड़ की छात्रवृत्ति देगी इंफोसिस

■ आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को मिलेगी यह स्कालरशिप

नई दिल्ली (भाषा)। इन्फोसिस की परमार्थ इकाई इन्फोसिस फाउंडेशन वंचित तबके की छात्राओं के लिए एसटीईएम छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू करने को 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान करेगी।

इस कार्यक्रम के पहले चरण में देश की आर्थिक रूप से कमजोर 2,000 से अधिक छात्राओं (जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (एसटीईएम) में से किसी एक विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं) को चार वर्ष तक के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी।

इन्फोसिस फाउंडेशन के न्यासी सुमित विरमानी ने कहा कि भारत में गरीबी कई युवाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित करती है और लड़कियां अक्सर इससे सबसे अधिक प्रभावित होती हैं।

भारत में वेस्पा स्कूटर का जस्टिन बीबर एक्स माडल लांच

■ इस स्कूटर की एक्स शोरूम कीमत 6.45 लाख रुपए ■ कनाडाई सिंगर बीबर ने खुद तैयार किया है डिजाइन

मुंबई (भाषा)। इतालवी आटो समूह पियाजियो की भारतीय अनुषंगी कंपनी पियाजियो व्हीकल्स ने बृहस्पतिवार को भारत में अपने लोकप्रिय वेस्पा स्कूटर का जस्टिन बीबर एक्स संस्करण जारी किया। इसकी कीमत 6.45 लाख रुपए (एक्स-शोरूम कीमत) है।

कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कनाडाई गायक जस्टिन बीबर ने स्वयं इसका डिजाइन तैयार किया है। यह सीमित-संस्करण पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में भारत में आयात किया जाएगा। इसके लिए पहले से आर्डर देना होगा। पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी ने कहा, 'हम भारत में जस्टिन बीबर एक्स वेस्पा को लाने को लेकर उत्साहित हैं जो बेहतरीन ड्राइव, जीवंतता और जोश का प्रतीक है। बीबर और वेस्पा दोनों की इसमें समान हिस्सेदारी है।'

कंपनी के अनुसार, इसमें क्लासिक 150 सीसी इंजन है। इसे नवीनतम पर्यावरण नियमों के तहत तैयार किया गया है।

अपने ई स्कूटर को बढ़ावा देगी गोगोरा

नई दिल्ली (भाषा)। ताइवान की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी गोगोरो इंक. ने अपने इलेक्ट्रिक स्मार्ट स्कूटर को बढ़ावा देने के लिए खाद्यासामग्रियों को घर तक पहुंचाने वाले मंच स्विगी के साथ साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। गोगोरा के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि गोगोरा और स्विगी टिकाऊ इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने और उनकी व्यावसायिक दक्षता में सुधार करने के लिए एक सहज मार्ग प्रदान करेंगे। स्विगी के संचालक प्रमुख मिहिर शाह ने कहा, 'गोगोरो के साथ यह साझेदारी हमारे डिलीवरी बेड़े को हरित व लागत प्रभावी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' स्विगी ने उसके मंच से डिलीवरी के लिए रोजाना इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए आठ लाख किलोमीटर की दूरी तय करने की 2021 में प्रतिबद्धता व्यक्त की थी।

स्कोडा का चाकन से निर्यात 6,00,000 इकाइयों के पार

मुंबई (भाषा)। स्कोडा आटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की पुणे स्थित चाकन सुविधा से कार निर्यात करने का आकंड़ा 600000 इकाइयों के पार पहुंच गया है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीयूष अरोड़ा ने कहा, 'भारत से निर्यात हमारी वैश्विक रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। 6,00,000 इकाइयों का आंकड़ा पार करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और यहां की इंजीनियरिंग क्षमताएं हमारे बढते निर्यात की कुंजी रही है।' फॉक्सवैगन समूह ने 2011 में भारत से निर्यात शुरू किया था।

टी20 : आयरलैंड के खिलाफ गदर मचाने उतरेंगे बुमराह, युवा ब्रिगेड देगी चुनौती

एजेंसी ▶▶ डबलिन

करीब 11 महीने तक मैदान से दूर रहने के बाद वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजरें होंगी। बुमराह आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम में आईपीएल के स्टार ऋतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा हैं लेकिन नजरें बुमराह पर होंगी।

■ मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर शाम 7.30 बजे

यह तेज गेंदबाज दो महीने बाद भारत में शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में भारत की रणनीति का अभिन्न अंग है। 29 वर्ष के बुमराह को पिछले साल टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ था। इसके बाद उनकी सर्जरी कराई गई।

गेंदबाजी से पता चलेगा फिटनेस

पांच दिन के भीतर तीन मैचों में उन्हें अधिकतम 12 ओवर डालने हैं। इस श्रृंखला से मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर, वनडे कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पता चलेगा कि मैच फिटनेस के मामले में बुमराह की स्थिति क्या है। पचास ओवरों का प्रारूप हालांकि बिल्कुल अलग है जिसमें उन्हें दो, तीन या चार ओवर के स्पैल में दस ओवर डालने होंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, आवेश खान।

आयरलैंड : एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), हैरी टेक्टर, लोरकान टकर, रॉस एडेयर, मार्क एडेयर, कुर्टिस कैंफर, जेरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फियोन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, बेन व्हाइट, क्रेग यंग, थियो वान वोरकोम।

भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार

बुमराह और संजू सैमसन को छोड़कर मौजूदा भारतीय टीम के सदस्य हांगझोउ में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार होंगे। वे एशियाई खेलों की तैयारी को इस श्रृंखला के जरिए अंतिम रूप देना चाहेंगे। आईपीएल की खोज रिंकू और जितेश भारत के लिए टी20 क्रिकेट में पदार्पण करेंगे जबकि शिवम दुबे के पास वापसी का मौका होगा। प्रसिद्ध कृष्णा भी बुमराह की तरह वापसी कर रहे हैं। बेंगलुरू के इस तेज गेंदबाज को भी कमर के स्ट्रेट फ्रेक्चर से उबरने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी।

अभ्यास और तैयारी होगी पुख्ता

बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बुमराह का गेंदबाजी करते हुए वीडियो डाला है जिसमें वह शॉर्ट गेंद और यॉर्कर सभी डाल रहे हैं। मैच हालात हालांकि बिल्कुल अलग होंगे और टीम प्रबंधन पिछले साल आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप से पहले उन्हें हड़बड़ी में उतारकर गलती कर ही चुका है। उसके बाद से वह खेल नहीं पाए हैं। इस साल की शुरुआत में एक घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें चुना गया था लेकिन ऐन मौके पर उनका नाम वापिस लेना पड़ा। कॅरियर के लिए खतरा बनी चोट का इलाज कराने के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बुमराह को मैच अभ्यास भी मिलेगा और एशिया कप की तैयारी भी पुख्ता होगी।

जोश में खेलेंगे लिटिल

दूसरी ओर एंड्रयू बालबर्नी की कप्तानी वाली आयरलैंड टीम के पास हैरी टेक्टर, लोरकान टकर, बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। भारत के खिलाफ हालांकि अभी तक वे एक भी मैच नहीं जीत सके हैं। उनके बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश लिटिल पिछले साल आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेले थे।

खबर संक्षेप

वनडे खेलने बांग्लादेश जाएगी न्यूजीलैंड टीम

ढाका। न्यूजीलैंड टीम दस साल में पहली बार बांग्लादेश का दौरा करके सितंबर और नवंबर में वनडे और टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भारत में होने वाले विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगी। विश्व कप की शुरुआत पिछली उपविजेता न्यूजीलैंड और चैंपियन इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में होने वाले मैच के जरिए होगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार दौरे का आगाज 21 सितंबर को होगा। तीनों मैच 21, 23 और 26 सितंबर को मीरपुर के शेर ए बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

दो दिसंबर से शुरू होगा प्रो कबड्डी लीग-10

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग का दसवां सत्र 12 शहरों के कारवां प्रारूप में लौटेगा और दो दिसंबर से शुरू होगा। आगामी सत्र के लिये नीलामी मुंबई में आठ और नौ सितंबर को होगी। पीकेएल के कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, 'पिछले नौ सत्र में पीकेएल की कामयाबी से कबड्डी देश भर में लोकप्रिय हुई है। अब दसवां सत्र भी यादगार होने का हम वादा करते हैं।' जयपुर पिंक पैंथर्स पिछले दो बार की चैंपियन है जबकि पटना पाइरेट्स ने सर्वाधिक तीन बार खिताब जीता है।

पहले दो मैचों के पूरे टिकट बिके

डबलिन। भारतीय क्रिकेटरों की वैश्विक लोकप्रियता ने क्रिकेट आयरलैंड जैसे उदीयमान क्रिकेट बोर्ड की चांदी कर दी है और पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के सारे टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट आयरलैंड ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'भारत और आयरलैंड के बीच पहले दो टी20 मैचों के शत प्रतिशत टिकट बिक गए हैं और तीसरे मैच के टिकट तेजी से बिक रहे हैं।' सभी मैच 'द विलेज' मालाहाइड क्रिकेट क्लब मैदान पर होंगे जिसकी क्षमता 11500 दर्शकों की है।

फुटबॉल : सिटी ने कोच पेप गॉर्डियोला के नेतृत्व में जीता 15वां खिताब

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार जीता सुपर कप, सेविला को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंग्लैंड के क्लब मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार यूईएफए सुपर कप का खिताब जीत लिया है। उसने फाइनल में स्पेन के क्लब सेविला को पेनल्टी शूटआउट में हराया। पिछले सीजन में इंग्लिश प्रीमियर लीग के साथ-साथ यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने वाली मैनचेस्टर सिटी ने कोच पेप गॉर्डियोला के नेतृत्व में 15वां खिताब जीता है।

■ निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर, पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीता मुकाबला

निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। वहां सिटी ने 5-4 से मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

सिटी की टीम 10 दिन पहले ही कम्यूनिटी शील्ड में आर्सेनल के खिलाफ हारी थी। सुपर कप में उसने कोई गलती नहीं की और वापसी करते हुए ट्रॉफी अपनी झोली में डाल ली। गॉर्डियोला तीन अलग-अलग टीमों के साथ सुपर कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना के कोच रहते हुए 2009 और 2011 में ऐसा किया था। इसके बाद 2013 में बायर्न म्यूनिख को अपनी कोचिंग में सुपर कप में जीत दिलाई थी।

पाल्मर ने दिलाई बराबरी

ग्रीस में बुधवार देर रात खेले गए मैच में सेविला ने शानदार शुरुआत की। उसके लिए यूसुफ एन-नेसिरी ने पहला गोल 25वें मिनट में किया। उनके गोल ने मैनचेस्टर सिटी को हैरान कर दिया। हाफटाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा। दूसरे हाफ में मैनचेस्टर सिटी ने वापसी की और लगातार हमले किए। उसे 63वें मिनट में सफलता मिली। युवा खिलाड़ी कोले पाल्मर ने बेहतरीन गोल किया।

गुडेल के चूकने से जीता सिटी

मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा तो दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने नौ शॉट तक कोई गलती नहीं की। सिटी की टीम ने लगातार पांच बार बार गेंद को गोलपोस्ट में डाला। सेविला की टीम चार बार ऐसा कर चुकी थी। उसके लिए पांचवां शॉट लेने नेमान्जा गुडेल मारने आए, लेकिन वह चूक गए और सिटी की टीम चैंपियन बन गई। सुपर कप सीजन में चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग जीतने वाली टीमों के बीच खेला जाता है।

भारतीय तीरंदाजों ने वर्ल्ड कप में जीते दो कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶ पेरिस

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने गुरुवार को यहां विश्व कप चरण चार में पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते। धीरज बोम्मादेवारा, अतनु दास और तुषार शेल्के की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने कांस्य पदक के प्ले ऑफ मुकाबले में आंद्रेस तेमिनो, युन सांचेज और पाब्लो आचा की स्पेन की टीम को 6-2 से हराया।

दूसरी वरीय भारतीय टीम हालांकि इससे पहले चीनी ताइपे के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के साथ स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाने में नाकाम रही। भारतीय तिकड़ी को चीनी ताइपे के खिलाफ सीधे सेट में 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम को भी सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ लचर प्रदर्शन के कारण 0-6 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा।

अंकिता भकत, भजन कौर और सिमरनजीत कौर की तिकड़ी के पास तीसरे सेट में चीनी ताइपे की जोड़ी को हराकर वापसी करने का मौका था लेकिन वे इसमें विफल रहे। ताइपे की टीम ने 53 अंक जुटाए थे लेकिन भारतीय टीम 52 अंक ही बना सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। कांस्य पदक के प्ले ऑफ में भारतीय टीम ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैक्सिको को 5-4 से हराकर पदक जीता।

भारत ने विश्व चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

बाकू। भारतीय पुरुष दस मीटर एयर पिस्टल टीम ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में गुरुवार को कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम के सदस्यों शिवा नरवाल, सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा ने 1734 अंक बनाए। जर्मनी की टीम उनसे नौ अंक आगे रहकर रजत पदक जीतने में कामयाब रही। चीन को स्वर्ण पदक मिला। नरवाल ने 579, सरबजोत ने 578 और चीमा ने 577 अंक हासिल किए। यह टूर्नामेंट 2024 पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। चीन की टीम ने 1749 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता।

सुमारिवाला बने वर्ल्ड एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष

एजेंसी ▶▶ बुडापेस्ट

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला को विश्व एथलेटिक्स के चार उपाध्यक्षों में से एक उपाध्यक्ष चुना गया जिससे वह इस प्रतिष्ठित संस्था के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य भी बन गए।

सुमारिवाला 2012 से एएफआई के अध्यक्ष हैं। विश्व चैंपियनशिप से दो दिन पहले विश्व एथलेटिक्स के चुनाव में सुमारिवाला उपाध्यक्ष पद के लिए सर्वाधिक वोट पाने वाले उम्मीदवारों में तीसरे नंबर पर रहे। उनका कार्यकाल चार साल का होगा। उपाध्यक्ष पद के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में थे जिनमें से सर्वाधिक वोट पाने वाले चार उम्मीदवारों को इस पद पर चुना गया और इसके साथ ही उन्हें विश्व ट्रैक एवं फील्ड संस्था के कार्यकारी बोर्ड में जगह मिल गई। कार्यकारी बोर्ड में अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष, तीन नियुक्त सदस्य और एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है।

प्रसाद लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़े

लखनऊ। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएसके प्रसाद को गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया। अपनी इस नई भूमिका में प्रसाद विभिन्न पहलुओं पर लखनऊ की इस टीम का मार्गदर्शन करेंगे। सुपर जाइंट्स ने एक बयान में कहा, 'प्रसाद अपने साथ ढेर सारा अनुभव और क्रिकेट संचालन में एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं, साथ ही एक जुनून भी है जिसने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया।'

पहला एकल मैच जीते जोकोविच

एजेंसी ▶▶ मेसन

तेईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने 2021 के बाद अमेरिका में पहला एकल मैच जीता। उन्होंने अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन में हराया जब कमर में चोट के कारण स्पेन के इस खिलाड़ी को दूसरे सेट में ही कोर्ट छोड़ना पड़ा।

दूसरी रैंकिंग वाले जोकोविच ने पहला सेट 6-4 से जीता और दूसरे में दो अंक से आगे थे। डेविडोविच को इसके बाद दर्द उठा और मैच 46 मिनट में ही खत्म हो गया। कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण

जोकोविच पिछले दो साल में अमेरिका में नहीं खेल सके थे। वह यहां 2019 के बाद पहली बार खेल रहे हैं। वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन 2020 में न्यूयॉर्क में खेला गया था। चौथी रैंकिंग वाले स्टेफानोस सिटसिपास ने अमेरिका के बेन शेल्टन को 7-6, 7-6 से मात दी। महिला वर्ग में शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियाटेक ने अमेरिकी क्वालीफायर डेनियेले कोलिंस को 6-1, 6-0 से हराया। अब उनका सामना झेंग किनवेन से होगा जिसने 43 वर्ष की वीनस विलियम्स को 1-6, 6-2, 6-1 से मात दी। महिला वर्ग में ही 18 वर्ष की लिंडा नोस्कोवा ने नौवीं रैंकिंग वाली पेत्रा क्वितोवा को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया।

चार देशों के टूर्नामेंट में स्पेन से खेलेगा भारत

डसेलडोर्फ। भारतीय जूनियर हॉकी टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे चार देशों के टूर्नामेंट में स्पेन के खिलाफ मुकाबले से विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी। भारत का सामना 19 अगस्त को मेजबान जर्मनी से होगा। इसके दो दिन बाद टीम इंग्लैंड से खेलेगी। शीर्ष दो टीमों का सामना 22 अगस्त को फाइनल में होगा। भारतीय जूनियर टीम ने जून में ओमान में जूनियर एशिया कप जीतकर दिसंबर में कुआलालम्पुर में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार खिताब जीता था।

प्रोपल्शन से अलग हुआ चंद्रयान-3 का लैंडर, अब खुद करेगा यात्रा पूरी

दोपहर 1.15 बजे रचा इतिहास, अब लैंडर की रफ्तार धीमी की जाएगी

23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा, प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का करेगा अध्ययन

● बेंगलुरु

इसरो ने 17 अगस्त को दोपहर 1.15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग कर इतिहास रच दिया। अब प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा जबकि लैंडर-रोवर 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। यहां वो 14 दिन तक पानी की खोज सहित अन्य प्रयोग करेंगे। सेपरेशन के बाद विक्रम लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- थैक्स फॉर द राइड मेट।

इसरो ने बताया कि लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल के अलग होने के बाद अब शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लैंडर को डीबूस्टिंग के जरिए थोड़ी निचली कक्षा में लाया जाएगा। इससे पहले 16 अगस्त को सुबह करीब 08.30 बजे यान के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए गए थे। इसके बाद चंद्रयान 153 केएमएक्स 163 किमी. की कक्षा में आ गया था यानी चंद्रयान की चंद्रमा से सबसे कम दूरी 153 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 163 किमी हो गई थी।

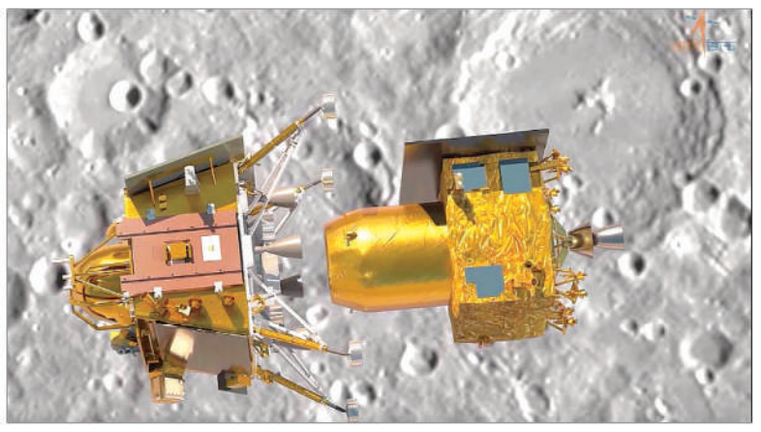

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान

22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7.15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1,835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7.12 बजे शुरू की गई थी।

20 के बाद सबसे कठिन चरण

एक बार जब विक्रम लैंडर को 30 किमी x 100 किमी. की ऑर्बिट मिल जाएगी, तब शुरू होगा इसरो के लिए सबसे कठिन चरण। यानी सॉफ्ट लैंडिंग। 30 किमी. की दूरी पर आने के बाद विक्रम की गति को कम करेंगे। चंद्रयान-3 को धीमे-धीमे चांद की सतह पर उतारा जाएगा।

सॉफ्ट लैंडिंग के लिए 90 डिग्री घूमना होगा

प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग होने के बाद अब लैंडर को डीबूस्ट किया जाएगा। यानी उसकी रफ्तार धीमी की जाएगी। यहां से चंद्रमा की न्यूनतम दूरी 30 किमी रह जाएगी। सबसे कम दूरी से ही 23 अगस्त को चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की जाएगी। लैंडर को 30 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा की सतह पर लैंड कराने तक की यह प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण होगी। उसे परिक्रमा करते हुए 90 डिग्री कोण पर चंद्रमा की तरफ चलना शुरू करना होगा। लैंडिंग के दौरान रफ्तार करीब 1.68 किमी प्रति सेकेंड होगी। इसे थ्रस्टर की मदद से कम करते हुए सतह पर सुरक्षित उतारा जाएगा।

बाटा अब एडिडास के साथ बनाएगी शूज

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज शूमेकर कंपनी बाटा जल्द ही स्पोर्ट्स वियर मैन्युफैक्चरर एडिडास के साथ इंडियन मार्केट के लिए स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप करने का प्लान कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी दोनों कंपनियों के बीच बातचीत एडवांस्ड स्टेज पर है और फाइनल डील की रूपरेखा पर काम चल रहा है। इससे कंपनी के शेयर में आज 6 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। बाटा का शेयर 6.08 प्रतिशत बढ़कर 1,747 रु. पर कारोबार कर रहा है। कंपनी के शेयर में बीते छह महीने में 20 प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई है।

फ्लाइट के बॉथरूम में हुई पायलट की मौत

नई दिल्ली। मियामी से चिली जा रही एक फ्लाइट के पायलट की बाथरूम में मौत हो गई। इससे फ्लाइट की पनामा में रविवार रात को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में 271 यात्री सवार थे। रिपोर्ट के मुताबिक पायलट का नाम कैप्टन इवान एनडौर 56 साल था। एनडौर लाथम एयरलाइन के विमान उड़ा रहे थे, तभी सीने में दर्द उठा। वो बाथरूम में गिर पड़े। फ्लाइट में मौजूद एक नर्स और दो डॉक्टर यात्रियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की।

डेल्टा अमेरिका -चीन में उड़ान विस्तार करेगी

न्यूयार्क। डेल्टा एयर लाइंस ने बुधवार को कहा कि वह इस साल के अंत में अमेरिका और चीन के बीच अपनी उड़ान अनुसूची का विस्तार करेगी। डेल्टा ने एक बयान में कहा कि 29 अक्टूबर से एयरलाइन सिएटल से शंघाई-पुडोंग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (पीवीजी) के लिए दैनिक उड़ाने और डेट्रॉइट से सप्ताह में तीन बार उड़ाने संचालित करेगी। बयान के अनुसार डेल्टा अगले मार्च में अपने लॉस एंजिल्स हब से चार बार साप्ताहिक पीवीजी सेवा फिर से शुरू करेगी, यह सेवा आखिरी बार फरवरी 2020 में संचालित की गई थी।

आज का इतिहास

- **1800:** लार्ड वेलेजली के द्वारा कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना।
- **1868:** फ्रांस के खगोलविद पियरे जेनसीन ने हिलियम की खोज की।
- **1891:** कैरेबियाई द्वीप मार्टिनीक्यु में चक्रवाती तूफान से 700 की मौत।
- **1936:** प्रसिद्ध गीतकार, कवि और फिल्म निर्देशक गुलजार का जन्म।
- **1945:** स्वतन्त्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस का निधन।
- **1949:** हंगरी ने संविधान अंगीकार किया।
- **1951:** पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना।
- **1959:** भारतीय जनता पार्टी की प्रसिद्ध महिला नेत्री एवं वर्तमान वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का जन्म।
- **1963:** अमेरिका में जेम्स मेरीडिथ मिसिसीपी विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाला पहला अश्वेत व्यक्ति।

लेटेस्ट रडार और एंटी-सबमरीन सिस्टम से हो सकेगा लैस

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया वॉरशिप आईएनएस विंध्यगिरी लॉन्च

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु17 अगस्त को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने कोलकाता में जंगी जहाज (वॉरशिप) आईएनएस विंध्यगिरी लॉन्च किया। नीलगिरी क्लास का ये फ्रिगेट एक स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल युद्धपोत है। मिली जानकारी के अनुसार प्रोजेक्ट 17ए के जहाजों को इंडियन नेवी वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल भी तैनात की गई है। इस युद्धपोत में दो हेलिकॉप्टर भी तैनात हो सकते हैं। यह वॉरशिप एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स और ऑटो मेलारा नौसैनिक गन से भी लैस हैं, जो दुश्मन के जहाज या हेलिकॉप्टर पर हमला कर उसे तबाह कर सकती हैं। इसके अलावा, विंध्यगिरी बराक-8 मिसाइल लॉन्च करने में सक्षम है। यह बेहतर स्टेल्थ फीचर्स, एडवांस्ड हथियार, सेंसर, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम, लेटेस्ट रडार सिस्टम और एंटी सबमरीन वेपन सिस्टम से लैस है। आईएनएस विंध्यगिरी का डिस्प्लेसमेंट 6670 टन है। यह करीब 488.10 फीट लंबा है। इसका बीम 5817 फीट है। इसमें दो डीजल इंजन लगे हैं। इसके अलावा, 2 जनरल इलेक्ट्रिक के इंजन लगे हैं। यानी यह इलेक्ट्रिक-डीजल युद्धपोत है।

इसकी अधिकतम स्पीड 52 किलोमीटर प्रतिघंटा है। इस पर 35 अफसरों सहित 226 नौसैनिक सवार हो सकते हैं। अगर यह 52 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से चले तो इसकी रेंज 4600 किलोमीटर रहेगी। अगर 30-33 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चले तो यह 10,200 किलोमीटर तक जा सकता है। इसमें इमरजेंसी बचाव या हमला करने के लिए दो बोट्स हैं।

आईएनएस विंध्यगिरी प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का छठा जहाज है। इसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड में बनाया गया है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत मझगांव डॉक लिमिटेड की तरफ से 4 और जीआरएसई की तरफ से तीन जहाज बनाए जा रहे हैं। पहले 5 जहाज 2019 से 2022 के बीच लॉन्च हो चुके हैं।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज के लिए चिंता का विषय: मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कोलाकाता में कहा कि नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज और देश के लिए चिंता का विषय है। सुश्री मुर्मू ने यहां राजभवन में ब्रहमाकुमारीज द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मेरा बंगाल, व्यसन मुक्त बंगाल अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि इन व्यसनों के कारण युवा अपने जीवन में सही दिशा नहीं चुन पा रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक है और इस मामले में सभी मोर्चों पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जागृति, चिकित्सा, सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से इस स्थिति में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने ऐसे मुद्दों पर चर्चा करने और उन्हें हल करके काम करने के लिए ब्रहमाकुमारीज जैसे संगठनों की सराहना की।

मलेशिया में प्राइवेट प्लेन क्रैश, 10 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मलेशिया में गुरुवार को एक प्राइवेट प्लेन क्रैश होने से 10 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक हादसा लैंडिंग के दौरान एलमिना टाउनशिप के नजदीक हुआ।

प्लेन में 2 क्रू मेंबर और 6 पैसेंजर सवार थे। हादसे में सड़क से गुजर रहे दो लोगों की भी मौत हो गई। दरअसल, हादसे से कुछ देर पहले विमान का संपर्क टूट गया। यह हाईवे पर लैंड करते में कार और एक बाइक से टकरा गया। सिविल एविएशन अथॉरिटी के मुताबिक प्राइवेट जेट ने होलिडे आईलैंड से कुआलालम्पुर के पास अब्दुल अजीज शाह एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी।

नूंह हिंसा पर CJI को 101 महिला वकीलों ने लिखा लेटर

नूंह। हरियाणा में नूंह हिंसा के बाद मुस्लिमों के बायकॉट के वीडियो का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट की महिला वकीलों के फोरम ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को लेटर भेजा है। जिसमें सोशल मीडिया पर चल रहे मुस्लिमों के बायकॉट के वीडियो और दूसरी सामग्री पर कार्रवाई की मांग की है। 101 महिला वकीलों के साइन वाले 3 पेज के लेटर में सुप्रीम कोर्ट के पुराने केसों के फैसलों का हवाला देकर नफरत भरे भाषण वाले वीडियो पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से 3 मांगे की हैं।

हरियाणा में हेट स्पीच के कई वीडियो आए सामने कार्रवाई के आदेश दें

इनमें हरियाणा सरकार को इन्हें रोकने, भाषण के वीडियो पर रोक लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है। महिला वकीलों ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश का हवाला भी दिया है, जिसमें नूंह में डेमोलिशन की कार्रवाई पर रोक लगाई थी।

हमने 70 साल लोकतंत्र बचाए रखा तो मोदी बन सके प्रधानमंत्री : खड़गे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब वह पूछते हैं कि कांग्रेस ने इस देश को क्या दिया तो इसका सीधा जवाब यही है कि कांग्रेस ने 70 साल से लोकतंत्र बचाए रखा इसलिए श्री मोदी देश के प्रधानमंत्री बन पाए हैं।

श्री खड़गे ने गुरुवार को यहां तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित महिला कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन 'प्रतिज्ञा उज्ज्वल भारत की' के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी बार-बार सवाल करते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया, जबकि इस दौरान और कई दलों की सरकार रही है, लेकिन वह कांग्रेस से अक्सर सवाल पूछते हैं।

मोदी जी बोलते हैं- कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया। हमने लोकतंत्र और संविधान को बचाकर रखा, इसलिए आप प्रधानमंत्री बन पाए। यदि कांग्रेस लोकतंत्र को बचाए नहीं रखते तो मोदी देश के पीएम नहीं होते और वह गुजरात में ही रहते। मोदी के अगले साल भी लाल किला पर तिरंगा फहराने को लेकर हमला कर कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि वह 2024 में भी 15 अगस्त को लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे। मुझे लगता है कि वह तिरंगा तो जरूर फहराएंगे, लेकिन लाल किले पर नहीं, अपने घर पर फहराएंगे।

मजबूत सड़क तंत्र से प्रशस्त होगा मिशन-2030 का मार्ग: गहलोत

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने का संकल्प लिया है और एक मजबूत सड़क तंत्र से ही मिशन-2030 का मार्ग प्रशस्त होगा। श्री गहलोत ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से 4817 करोड़ रुपए की लागत के 153 सड़क विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास करते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में प्रदेश में सड़क विकास के उत्कृष्ट कार्य हुए हैं, जिसके फलस्वरूप हमारी सड़कों की प्रशंसा देशभर में हो रही है।

आज प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों के गांव-ढाणियां एक सुरक्षित, सुगम तथा सुंदर सड़क तंत्र से जुड़ रहे हैं, जिससे रोजगार और आमदनी में वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में वीसी से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दुर्घटना रहित सुरक्षित और सुगम सफर के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण सड़कों का जाल बिछा रही है। इससे निवेशकों के लिए एक सकारात्मक माहौल बना है तथा प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने बजट घोषणाओं को तेज गति से धरातल पर उतारने के लिए सार्वजनिक निर्माण और अन्य विभागों की सराहना की। जयपुर में बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड एण्ड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में और अधिक मजबूती आएगी।

अमीषा और सनी की फिल्म गदर-2 250 करोड़ रुपए के क्लब में शामिल

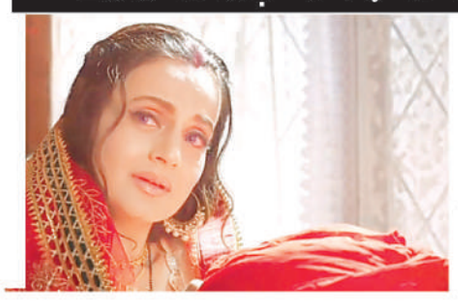

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल (सकीना) की जोड़ी ने फैंस के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी।'गदर 2'में भी दर्शकों ने इस जोड़ी को प्यार दिया है। 'गदर 2' पहले दिन से ही ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। गदर 2 बॉक्स ऑफिस पर बंपर कलेक्शन कर रही है।'गदर 2'को रिलीज हुए 6 दिन पूरे हो गए है। इस फिल्म ने 6वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया है। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म'गदर 2'ने बॉक्स ऑफिस पर छह दिनों में 260 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

प्रेम कथा'के सीक्वल गदर 2 में एक बार फिर से सनी और अमीषा की जोड़ी है। 'गदर 2' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुयी है। 'गदरः एक प्रेम कथा' में सनी देओल (तारा सिंह) और अमीषा पटेल (सकीना) की जोड़ी ने फैंस के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी।'गदर 2'में भी दर्शकों ने इस जोड़ी को प्यार दिया है।

अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी।'गदरः एक

आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 का दूसरा गाना नाच रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की आने वाली फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का दूसरा गाना नाच रिलीज हो गया है। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म ड्रीम गर्ल के सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 में काम कर रहे हैं।

ड्रीम गर्ल 2 में अनन्या पांडे की भी अहम भूमिका है। हाल ही में फिल्म ड्रीमगर्ल 2 का पहला गाना दिल का टेलीफोन 2.0 रिलीज हुआ था। अब फिल्म ड्रीमगर्ल 2 का दूसरा गाना नाच भी रिलीज हो गया है,जिसमें आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने को नकाश अजीज ने अपनी आवाज दी है। जबकि तनिष्क बागची ने म्यूजिक दिया है,वहीं इसके लिरिक्स शान यादव के हैं। ड्रीम गर्ल 2 एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित हैं। यह फिल्म 25 अगस्त 2023 को रिलीज होने जा रही है।

बेबाक गुलाम नबी बोले- केवल 10-20 मुसलमान मुगल सेना का हिस्सा बनकर भारत आए थे, बाकी का धर्म परिवर्तन कर दिया गया

हिंदुस्तान में सभी मुसलमान हिंदू से हुए कन्वर्ट

● डोडा

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हिंदू धर्म इस्लाम से कहीं ज्यादा पुराना है। हिंदू धर्म सबसे पुराना धर्म है। केवल 10-20 मुसलमान मुगल सेना का हिस्सा बनकर भारत आए थे, बाकी का धर्म परिवर्तन कर दिया गया। गुलाम नबी पिछले दिनों डोडा जिले के 10 दिन के दौरे पर थे। उन्होंने ये बयान 9 अगस्त को डोडा में थाथरी इलाके में एक सभा में दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुलाम नबी आजाद के हिंदू धर्म पर दिए गए बयान का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जो वीडियो सामने आया है, उसमें गुलाम कह रहे हैं- मैंने पार्लियामेंट में बहुत चीजें कहीं, जो आप तक यहां नहीं पहुंचीं। हमारे एक नेता ने कहा था कुछ लोग बाहर से आए थे। मैंने कहा, कोई अंदर या बाहर से नहीं आया भारत में। इस्लाम तो आया ही 1500 साल पहले। हिंदू धर्म बहुत पुराना है। तो बाहर से आए होंगे 10-20, जो मुगलों की फौज में थे। बाकी तो सब हिंदू से कन्वर्ट हो गए मुसलमान हिंदुस्तान में। उसकी मिसाल हमारे कश्मीर में है। कश्मीर में कौन था 600 साल पहले, सब कश्मीरी पंडित थे। सब मुसलमान बन गए। सब इसी (हिंदू) धर्म में पैदा हुए।

हिंदू धर्म इस्लाम से बहुत पुराना, कश्मीर में भी 600 साल पहले कोई मुसलमान नहीं था, सभी कश्मीरी पंडित थे

पिछले साल कांग्रेस से अलग हो चुके हैं आजाद

73 साल के गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस में 50 साल तक रहने के बाद अलग होने का फैसला किया था। पिछले साल 26 सितंबर को उन्होंने अपनी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी लॉन्च की थी। कांग्रेस से अलग होने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा था कि 2013 में जब राहुल गांधी ने कांग्रेस उपाध्यक्ष का पद संभाला तो उन्होंने पूरे परामर्श तंत्र को ध्वस्त कर दिया था। आजाद ने यह भी दावा किया था कि पार्टी में सभी वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को दरकिनार कर दिया गया और अनुभवहीन चाटुकारों की एक नई मंडली ने पार्टी के मामलों को चलाना शुरू कर दिया था।

अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष का वॉकआउट गलत

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चीफ गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष के लोकसभा से वॉकआउट को गलत ठहराया। उन्होंने कहा- अगर वोटिंग से भागना ही था तो प्रस्ताव लाना ही नहीं चाहिए था। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि विपक्षी दल इस प्रस्ताव के लिए एक साथ आए थे, लेकिन जब वोटिंग का वक्त आया, तो वे बाहर चले गए। हर कोई जानता है कि सदन में भाजपा का बहुमत है लेकिन अगर उन्हें भागना ही है तो अविश्वास प्रस्ताव बुलाने का क्या मतलब है। उन्होंने सही काम नहीं किया है। गुलाम नबी बोले- पिछले दो- चार महीनों से एक ही मुद्दे पर सभी एक हुए थे। लेकिन वोट ऑफ नो कॉन्फिडेंस की बात आई, तो फिर छोड़ दिया।

सीक्रेट लेटर चोरी केस में फंसे इमरान खान

12 दिन से जेल में कैद खान से पांच घंटे पूछताछ, दोषी हुए तो 10 साल सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर नेशनल सीक्रेट (साइफर या डिप्लोमैटिक नोट) चोरी करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' के मुताबिक- मामले की जांच स्पेशल ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है। इसने अटक जेल में 12 दिन से कैद खान से बुधवार को पांच घंटे पूछताछ की। यह साइफर पिछले साल मार्च में अमेरिका में तैनात पाकिस्तानी एम्बेसेडर असद मजीद खान ने विदेश मंत्रालय को भेजा था।

खान ने इसे पढ़ने के बहाने अपने पास रख लिया और बाद में कहा कि यह लेटर खो गया है। यह नेशनल सीक्रेसी एक्ट के खिलाफ है। अगर खान दोषी पाए गए तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है। 27 मार्च 2022 को इस्लामाबाद की रैली में इमरान के हाथ में एक कागज नजर आया था। खान का दावा है कि इसमें उनकी सरकार गिराने की अमेरिकी साजिश का जिक्र है। 'साइफर गेट या केबल गेट या नेशनल सीक्रेट गेट' केस में इमरान का फंसना तय माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि जब वो प्रधानमंत्री थे, तब आजम खान उनके चीफ सेक्रेटरी थे।

विद्युत समस्याओं को लेकर रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने पूर्वांचल विद्युत वितरण लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक के साथ की बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों की बैठक रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के नेतृत्व में पूर्वांचल विधुत वितरण लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक के साथ हुई जिसमे उद्यमियों द्वारा विधुत से संबंधित समस्याओं व पिछले माह के बैठक के बिंदुओं पर हुए कार्यो के प्रगति को पूछा गया। उद्यमियों ने पिछले माह की बैठक में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र फेज- 2 के 33/11 उपकेन्द्र की क्षमता वृद्धि की मांग किया था,जिसमें प्रबंध निदेशक ने कहा कि उन्होंने उसी दिन तत्काल कारवाही करने का निर्देश दिया था और उसका टेंडर भी निकाल दिया है कार्य प्रगति पर है और अंतिम 30 सितंबर तक फेज-2 के 10 एम.बी.ए का ट्रांसफार्मर लग जाएगा। अध्यक्ष देव भट्टाचार्य ने कहा कि पिछली बैठक में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के सबस्टेशन से औद्योगिक क्षेत्र के बाहर के उद्यमियों को कनेक्शन दिए जाने से ओवरलोड की समस्या के कारण फेज-1 के अन्दर के उद्यमियों को बिजली कनेक्शन न मिलने और उनके लोड न बढ़ाये जाने की बात रखी थी व फेज-1 के बाहर के उद्यमियों के लिए औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के बाहर एक 10 एमबीए का सबस्टेशन बनाने की मांग किया था जिससे औद्योगिक क्षेत्र के बाहर के उद्यमियों को उस बाहर के सबस्टेशन से निर्बाध विधुत आपूर्ति हो सके, जिस पर प्रबंध निदेशक ने कहा कि एसोसिएशन के इस बिंदु को बहुत गंभीरता से पूर्वांचल विधुत वितरण विभाग ने लिया है और फेज-1 के बाहर के उद्यमियों को जिलाधिकारी चंदौली द्वारा चिन्हित किये गए भूखंड पर बहुत जल्द एक अलग 10 एम.बी.ए का पावर हाउस बिजनेस प्लान के तहत बनाया जा रहा है जिससे औद्योगिक क्षेत्र के बाहर के उद्यमियों को उस सबस्टेशन से कनेक्शन दिया जाएगा और औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के अंदर

के पावर हाउस से सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के उद्यमियों को ही कनेक्शन रहेगा। प्रकाश आयरन वर्क्स के प्रकाश जायसवाल ने कहा की उनकी फर्म को अमेरिका की एक कंपनी द्वारा मशीनो का ऑर्डर दिया गया है उक्त अमिरिकी फर्म के कार्य को सम्पन्न करने के लिये विधुत लोड जो अभी 48 के.वी.ए है इसको तत्काल बढ़ाकर 125 के.वी.ए करने की आवश्यकता है इस पर प्रबन्ध निदेशक महोदय ने तत्काल समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकाश आयरन वर्क्स चुकी मशीनों को निर्यात करती है इसलिए इसको स्पेशल केस मानकर तत्काल लोड बढ़ाया जाय। भगवती एग्रो इंडस्ट्रीज के स्वामी अभिषेक बंसल ने कहा कि वे यूपीसीडा से अक्टूबर-22 में फेज-2 में भुखंड लिये है और 9 फरवरी में ही 275 केवीए का विधुत कनेक्शन लेने हेतु ऑनलाईन अप्लाई कर प्रोसेसिंग शुक्ल भी जमा कर दिया था परन्तु अभी तक कनेक्शन नही मिल पाया जिससे उद्योग नही लगा पा रहे और यूपीसीडा का नियम है कि एक वर्ष के अन्दर उद्योग चालू कर देना है ऐसे में क्या करे समझ मे नही आ रहा। उधमी संजय लखवानी ने भी कहा कि उन्होंने अप्रैल माह में 80 केवीए कनेक्शन हेतु ऑनलाइन निवेश मित्र पोर्टल पर अप्लाई किया था परन्तु अभी तक कनेक्शन जारी नही हुआ, जिससे वे उद्योग नही चालू कर पा रहे है। ऐसा तमाम उद्यमियों के साथ हो रहा है` प्रबन्ध निदेशक ने बहुत गंभीरता से सबकी व्यथा को सुना और तत्काल 10 एमबीए के ट्रांसफार्मर को लगवाने हेतु अधीनस्त अधिकारियों को निर्देशित किया और सबके लोड बढ़ाने और नए कनेक्शन तुरन्त स्वीकृत करने का निर्देश भी दिया` अधिकारियों में डायरेक्टर टेक्टनिकल राजेन्द्र प्रसाद, अधीक्षण अभियंता अरविंद नायक,अधिशासी अभियंता हिर्देश गोस्वामी`उद्यमियों में मुख्य रूप से चंद्रेस्वर जायसवाल, सतीश गुप्ता, ओम प्रकाश जायसवाल, अबरार आलम, राजकुमार खानचंदानी, राम सिंह,रवि प्रकाश, संजय लखमानी, अजय राय, राकेश अग्रवाल, आशीष गुप्ता, अरविंद सिंह, करुण पांडेय, रोहित जायसवाल ,अनूप साहू, वीरेन्द्र यादव, अभिषेक बंसल, सहित भारी संख्या में उद्यमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मिजार्मुराद में हौसला बुलंद बदमाशों ने ढाबा संचालक की गला रेतकर की हत्या

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के भड़ेहरा में हौसला बुलंद बदमाशों ने ढाबा संचालक अमित उर्फ मोनू पांडे 25 वर्ष की धारदार हथियार से हत्या कर दी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके बाद गांव के सैकड़ो लोग घटनास्थल पर पहुंचे हत्यारे कक गिरफ्तार करने की मांगकर हाईवे जाम कर दिये। मिजार्पुर थाना प्रभारी आनंद कुमार चौरसिया घटना अटल पहुंचे किसी तरह लोगों को समझा समझाया, लेकिन उनकी बात ग्रामीण नही माने। मृतक अमित का एनएच 19 के सर्विस लेन पर खोचावा भरेहरा में विवान ढाबा एवं रेस्टोरेंट है। गुरुवार की देर रात ढाबा के अंदर ही हौसलाबाद बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना मिलती परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे एडीसीपी गोमती टी सरवनन व एसीपी राजातालाब अंजनी कुमार राय ने घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों को समझने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

पुलिस लाइन में कप्तान ने ली परेड की सलामी

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर परेड ग्राउंड पर शुक्रवार के परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी। परेड के उपरान्त विभिन्न शाखाओं शस्त्रागार, जीपी स्टोर, पुलिस अस्पताल, कैन्टीन, मेस व पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर साफ सफाई इत्यादि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक आदेश निर्देश दिया गया। आदेश कक्ष में कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोपी शादियाबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी भुड़कुडा के निकट पर्यवेक्षण में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय मय हमराह उप निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय थाना स्थानीय पर पंजीकृत दुराचार की धारा 376 भादवि व पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त राजाराम उर्फ राजाबाबू पुत्र लालचन्द राम निवासी ग्राम सुल्तानपुर माफी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को कटया चट्टी से गिरफ्तार किया गया। जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 183/23 धारा 376 भादवि व 5L/6 पोक्सो एक्ट में नामजद वाछिंत अभियुक्त है। अन्य विधिक कार्यवाही संबंधित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय, उप निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय, कांस्टेबल अवधेश कुमार, कांस्टेबल भीम भारती शामिल रहे।

प्राईमरी स्कूल प्रांगण से विद्युत तार और पोल हटवाने के भाकियू (अम्बावता) ने सौपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के कार्यकताओं ने यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व जिलाधिकारी, कुशीनगर से सम्बोधन ज्ञापन अनिल कुमार यादव उपजिलाधिकारी को सौपते हुए अवगत कराया है कि कप्तानगंज तहसील अंतर्गत ग्रामसभा लालाछपरा के इमिलिहाँ (भटवलिया) के ग्रामीणों और स्कूल के शिक्षकों द्वारा हमें अवगत कराया गया है कि, इमिलिहाँ (भटवलिया) माँडल प्राईमरी स्कूल के प्रांगण से हाईटेंशन विधुत तार गया हुआ है और एक विधुत पोल स्कूल के प्रांगण में ही स्थित है जिसके वजह से प्रत्येक दिन उपरोक्त स्कूल के बच्चों के लिये खतरा बना हुआ है। यदि समय रहते ही समस्या का समाधान नही हुआ तो भविष्य में कोई बड़ी घटना से इनकार नही किया जा सकता है। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने माँग किया है उपरोक्त समस्या को देखते हुए स्कूल प्रांगण से विधुत पोल को निकलवा कर बाहर कर दिया जाय तो इस समस्या का समाधान हमेशा-हमेशा के लिये हो सकता है और आने वाले समय में किसी बड़े हादसे को टाला जा सके जो स्कूल के बच्चों के हित में होगा। इस मौके पर जिला सचिव चेतई प्रसाद, चांदबली गौड़, ललिता कटियार, रामसूचित सिंह, शिवकुमार शर्मा के साथ साथ अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

चाकू मारकर हत्या में आरोपित दो नाबालिग पकड़े गए

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के बरही नेवादा बाजार में दो दिन पूर्व घर से बाजार से मुर्गा खरीदने के लिए निकले मुकेश गौतम 16 वर्ष की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में दो नाबालिक को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घटना के बाबत एसीपी प्रतीक कुमार ने बताया कि 15 अगस्त को मुकेश के दोस्तों और एक अन्य नाबालिक आरोपित के बीच झगड़ा होने के साथ मारपीट हो गई थी। जिसको लेकर नाबालिक अभियुक्त काफी क्रोधित था और बदला लेने के फिराक में लग गया। 16 अगस्त को जब मुकेश बाजार मुर्गा खरीदने पहुचा तो वह अपने एक अन्य नाबालिक दोस्त के साथ उसके पास पहुचा और पूर्व की घटना का उल्लेख करते हुए उससे कहासुनी की और छिपा कर रखे चाकू उसके पेट मे घोंप दिया। जिसकी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। जिसमे फूलपुर पुलिस द्वारा धारा 302, 504, 506, 34 भा0द0वि0 व 3(1)द,ध एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया था।

घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए डीसीपी व एडीसीपी गोमती जोन ने तत्काल घटना का पदार्फाश करने का निर्देश दिया। उसी क्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी जा रही थी । शुक्रवार को पुलिस द्वारा घटना से सम्बन्धित दो नाबालिकों को मुखबिर की सूचना पर वाराणसी- जौनपुर हाइवे मार्ग पर रामपुर अण्डरपास के पास से सुबह गिरफ्तार कर उसके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू को उसके घर से बरामद किया। उक्त बाल अपराधियों को गिरफ्तार करने में एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार,थानाध्यक्ष दीपक कुमार राणावत, एसआई राजेश सिंह, चौकी इंचार्ज कठिराव नन्दलाल कुशवाहा प्रवीण कुमार मिश्रा व सिपाही रहे। एसीपी के मुताबिक उक्त घटना मात्र बदला लेने व वर्चस्व को लेकर हुआ। गांव में अब स्थिति सामान्य है।

संस्कार भारती की हुई बैठक में डा0 अनिल कुमार सिन्हा बने अध्यक्ष

प्रखरकसया, कुशीनगर। रंग मंच, ललित कलाओं एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की साधारण सभा की बैठक नपाप के बुद्ध नगरी वार्ड में पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी के आवास पर सम्पन्न हुई। जिसमें डा0 अनिल कुमार सिन्हा पुनः अध्यक्ष बनाये गए। प्रांतीय साहित्य विद्या संयोजिका गोरक्ष प्रान्त डा0 चारु शिला सिंह की देखरेख में हुई बैठक में कुल पांच प्रस्ताव आये।

सर्वप्रथम मंत्री अशोक कुमार ने पिछली कार्यवाही पढ़ कर सुनाई। दूसरे प्रस्ताव में अध्यक्ष के अलावे उपाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव , अशोक कुमार जैन, त्रिभुवन मणि त्रिपाठी उपाध्यक्ष, अशोक कुमार मंत्री,राजू मद्धेशिया, कमला पाण्डेय, रामआशीष राय, उमेश चन्द गुप्त ' कुन्नू' और श्रीमती सरिता मिश्रा सह मंत्री, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार राय, प्रचारमंत्री राजेन्द्र शर्मा सह प्रचार मंत्री हृदया नन्द शर्मा सर्वसम्मति से घोषित किये गए। गोपेन्द्र प्रताप सिंह, रमेश मद्धेशिया, राहुल मिश्रा, वीरेंद्र कुशवाहा, पवन गुप्ता सदस्य कार्यकारणी चुने गए। विद्या संयोजक मण्डल में भू अलंकरण विद्या प्रमुख श्रीमती रंजना मद्धेशिया, सह प्रमुख कु0 प्रियंका सिंह, संगीत व लोक कला विद्या प्रमुख जगदीप सिंह, सह प्रमुख कु0 सुनन्दा शर्मा, नृत्य विधा प्रमुख शिवम् प्रताप सिंह, सह प्रमुख कु0 सौम्या पाण्डेय, चित्रकला विधा प्रमुख श्रीकांत कुशवाहा, सह प्रमुख श्रीमती रजनी गुप्ता, नाट्य विधा प्रमुख जगदीश सिंह,सह प्रमुख श्रीमती किरन जायसवाल, साहित्य विधा प्रमुख श्रीमती वंदना मद्धेशिया, सह प्रमुख सुमन मणि त्रिपाठी सर्व सम्मति से चुने गए। संरक्षक मण्डल में पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, डा0 सीपी गुप्ता, डा0ज्ञानप्रकाश राय, डा0 योगेश्वर मद्धेशिया, भन्ते महेंद्र, लामा कर्मा कुंजा जनफेन, वीरेंद्र तिवारी, डा0 चंद्रशेखर सिंह, संतोष कुमार श्रीवास्तव, डा0 अजय शुक्ला, कृष्ण कुमार जी , डा0 नरेंद्र प्रताप सिंह नामित हुए , जबकि कार्यक्रम समन्वयक मण्डल के लिए डा0 अम्बरीष विश्वकर्मा, श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव, ज्ञान बर्द्धन गोविंद राव, दिनेश तिवारी भोजपिरिया, जनार्दन जी, राधेश्याम सिंह सर्वसम्मति से चुने गए। इसके अलावे यह निर्णय लिया गया कि साधारण सभा मे से विभिन्न विधाओं में विशिष्ट योग्यता रखने वाले सदस्यों को विशेष आर्मत्रित सदस्य बनाने के साथ संस्था के कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों में सह समन्वयक मण्डल गठित किया जाएगा।

इनरव्हील क्लब वाराणसी शिवाय का पदग्रहण समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेन्ट्रल जेल रोड स्थित एक होटल में इनरव्हील क्लब वाराणसी शिवाय का 9वां पदग्रहण समारोह का हुआ आयोजन जिसमे ममता कपूर अध्यक्ष तथा शिवानी श्रीवास्तव सचिव एवं ब्रजवाला सिंह कोषाध्यक्ष तथा नंदिता मुम्ताजी पुनः आई०एस०ओ के पद की शपथ दिलाई गयी` कार्यक्रम में ए०सी मेम्बर अर्चना वाजपेयी मुख्य अतिथि रही कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वन्दना तथा दीप प्रजवलन करके किया गया` शिवानी श्रीवास्तव ने मोहे रंग दो लाल नामक गीत पर सुंदर भावपूर्ण कथक नृत्य से सबका मन मोह लिया शुरूआत में नवनियुक्त अध्यक्ष ममता कपूर ने अतिथियो का स्वागत किया तथा वर्ष पर्यंत होने वाले अपने कार्य योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से प्रकाश डाला `सभा का संचालन सरिता सिंह और धन्यवाद ज्ञापन सोमा ने किया` कार्यक्रम के दौरान क्लब की ओर से प्राथमिक विद्यालय सिकरौल को दरी, ड्रेस इत्यादि डोनेट किया गया` पदग्रहण समारोह में मुख्य रूप से पुष्पा सिंह , सन्ध्या सिंह, ममता सिंह, रागिनी सिंह, किरन सिंह, श्वेता सिंह, श्वेता तिवारी, रजत सिंह सहित आदि उपस्थित रही।

माफिया मुख्तार का गूर्गा जफर उर्फ चन्दा को पुलिस ने लिया फंदे में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक रामबहादुर चौधरी मय हमराह मुखबिर खास की सूचना पर मा0 न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजीपुर द्वारा धारा 147/148/149/302,34 भा0द0वि0 थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर मे जारी वारण्ट से सम्बन्धित वारण्ट में वाछिंत अभियुक्त जफर उर्फ चन्दा पुत्र मो0 नजर निवासी सदर रोड थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर को उसके घर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न थानों में कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोलापुर में शहीदी दिवस कार्यक्रम की पुलिस ने की उपेक्षा

प्रखर चोलापुर वाराणसी। स्थानीय बाजार स्थित शहीद स्मारक पर 17 अगस्त 1942 को शहीद हुए 5 शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश चौबे ने जनता के साथ हर वर्ष की तरह कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों के बलिदान को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। लेकिन इस बार कार्यक्रम के चोलापुर पुलिस के सम्मिलित न होने के कारण साथ उनके द्वारा किसी प्रकार का सहयोग न मिलने के कारण काफी समस्याएं उतपन्न हुई।

पुलिस विभाग द्वारा शहीद स्मारक पर ना ही माल्यार्पण किया गया अपितु इनके असहयोग के कारण आम जनता व राहगीरों को जाम का सामना करना पड़ा। जोकि चोलापुर के इतिहास में प्रथम बार हुआ है। जबकि इसके पहले प्रतिवर्ष पुलिस विभाग उक्त कार्यक्रम में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया करता था और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करता था। कांग्रेस नेता सतीश चौबे ने कहा कि यह कृत्य शहीदो की उपेक्षा है कि कोई भी पुलिसकर्मी स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित करने नही आया। बताते चले कि चोलापुर के इतिहास का वो काला दिन 17 अगस्त 1942 को नागपंचमी के उत्सव में आयर गांव से बीरबहादुर सिंह के नेतृत्व में चोलापुर थाने पहुच कर भारत माता की जय, अंग्रेजों भारत छोड़ो आदि नारे लगाते हुए थाने में घुसने लगे। इस दौरान अंग्रेजी पुलिस के सिपाही आजादी के दीवानों पर लाठियां बरसाने लगे। लेकिन पांच युवक जो की भीड़ को चीरते हुए तिरंगा लिए थाने की छत पर बढ़ने लगे। इसी दौरान अंग्रेजी हुकूमत के दरोगा ने निहत्थे आजादी के दीवानों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। शहीद होने वालों में रामनरेश उपाध्याय उर्फ विद्यार्थी निवासी आयर, पंचम निवासी बेनीपुर आयर, श्रीराम उर्फ बच्चू निवासी शिवरामपुर, चौथी निवासी शिवरामपुर, निरहु निवासी सुलेमापुर शाहिद हो गए थे। इन्ही शहीदों की याद में शनिवार सुबह क्षेत्रीय लोगों ने माल्यार्पण कर शहीदों को याद किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतीश चौबे समेत दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता समेत क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे।

वाई 20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन प्रतिनिधियों ने आईआईटी बीएचयू में सुपर कंप्यूटिंग सेंटर और प्रिसिजन इंजीनियरिंग हब का किया भ्रमण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित वाई 20 में जी20 देशों,अतिथि देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लगभग 130 प्रतिनिधियों ने वाई20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया जिसमें कुल मिलाकर लगभग 500 हुए उपस्थित` भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के युवा मामले विभाग द्वारा आयोजित जी20 के तहत वाई20 शिखर सम्मेलन गुरुवार को बीएचयू में सुपर कंप्यूटिंग सेंटर और प्रिसिजन इंजीनियरिंग हब के दौरे के साथ शुरू हुआ इस दौरान वाई20 प्रतिनिधियों को इस बात की झलक मिली कि इस तकनीक के माध्यम से अधिक एप्लिकेशन डोमेन,अनुसंधान निदेशकों और महत्वपूर्ण मिशनों को परिवर्तित करने का लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है `आईआईटी बीएचयू के संकाय सदस्यों ने दिखाया कि कैसे सुपर कंप्यूटिंग सेंटर ने देश के विज्ञान और

प्रौद्योगिकी के अनुसंधान और विकास क्षेत्र को आगे बढ़ाया है` इस कार्यक्रम के बाद वाराणसी में रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर (आरआईसीसीसी) में आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित सत्र की प्रस्तुति हुई प्रेजेंटेशन की शुरूआत आईआईटी बीएचयू में लगातार विकसित हो रहे संस्थागत संरचना और भारत को मजबूत बनाने में तकनीकी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका की झलक के साथ हुई साथ ही इस दौरान बीएचयू के अनुसंधान गतिविधियों, प्लेसमेंट गतिविधियों, नवाचार, ऊष्मायन और स्टार्टअप संस्कृति पर ध्यान केंद्रित किया गया` कार्यक्रम के एक भाग के रूप में आईआईटी बीएचयू के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति और गरबा, ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और भांगड़ा जैसे शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन से भरा एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी प्रदर्शित किया गया` संध्या में प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों को सारनाथ ले जाया गया और उन्हें वाराणसी की संस्कृति की झलक दिखाई गई सारनाथ के भ्रमण से उन्हें दुनिया के सबसे प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक की सांस्कृतिक आभा का अनुभव करने में मदद मिली सारनाथ में प्रतिनिधियों ने पुरातत्व संग्रहालय का भी दौरा किया `वाई20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन का अंत मंत्रमुग्ध कर देने वाले लाइट एंड साउंड शो के साथ समापन हुआ इस दौरान गौतम बुद्ध की गहन जीवन यात्रा का वर्णन किया गया` जी-20 शिखर सम्मेलन 17 से 20 अगस्त तक वाराणसी में आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रमुख विशेषज्ञ, निर्णय निमार्ता, जी-20 देशों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि नॉलेज पार्टनर (आईआईएम रायपुर), अकादमिक भागीदार (विश्वविद्यालय ,संस्थान) एक साथ आएंगे वाराणसी में आयोजित सम्मेलन में पिछले कुछ महीनों के दौरान हुई चचाओं के निष्कर्षों से बनाई गई।

जोधा अवॉर्ड शो में मेकअप आर्टिस्ट दिया बर्नवाल व खुशी शाह ने लगाई कार्यशाला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मेकअप की बारीकियों को समझाने के लिए जिले में मेकअप आर्टिस्ट और बंबई की मशहूर माडल ने सात दिवसीय शिविर लगाकर लोगो को अचंभित कर दिया और खूब वाहवाही बटोरी। नगर के बंधवा स्थित स्टार पैलेस हॉल में बीते एक हफ्ते से मेकअप आर्टिस्ट वर्कशॉप प्रोपराइटर रंजना गुप्ता द्वारा संचालित की जा रही थी। इस वर्कशॉप में सिखाई जा रही मेकअप की बारीकियों का लाभ गाजीपुर के अतिरिक्त बलिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बक्सर आदि जिलों की महिलाओं ने भी लिया। वर्कशॉप में मुख्य मेकअप आर्टिस्ट के रूप में देश की मशहूर मेकअप आर्टिस्ट दिया बर्नवाल मौजूद रहीं। इस वर्कशॉप के अंतिम दिन मुंबई की मशहूर मॉडल और यूट्यूबर खुशी शाह की उपस्थिति में जोधा अवॉर्ड शो आयोजित किया गया जिसमें एक सप्ताह पूर्ण ट्रेनिंग लेने वाली 35 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट का अवार्ड भी सेलिब्रिटी गेस्ट खुशी शाह(मुंबई) द्वारा दिया गया। शहर की भारी भीड़ और लोगों का उत्साह देखते हुए ऑर्गनाइजर रंजना गुप्ता ने वर्कशॉप तथा अवॉर्ड शो को सफल बनाने में मौजूद सभी प्रतिभागी महिलाओं, ट्रेनर, मुख्य अतिथि तथा जनपद वासियों के प्रति आभार प्रकट किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं